आज का सुविचार

गलती पर साथ छोड़ने वाले तो बहुत मिलते हैं पर गलती पर समझा कर साथ निभाने वाले बहुत कम मिलते हैं।

साप्ताहिक

युवा प्रदेश

Freedom Of Speech

RNI. NO. MPHIN/2015/76299

संपादक-नागेश नरवरिया

YP24 NEWS

जिले एवं तहसीलों में संवाददाता नियुक्त करना है।

संपर्क करे -9425156055

वर्ष 9, अंक- 33 | www.yuvapradesh.in | भोपाल, शुक्रवार 20 सितम्बर 2024 | ypnews24@gmail.com | पृष्ठ -8 | मूल्य 2 रुपये

सरकारी अधिकारी सहायता नहीं करना कब अपराध होता है जानिए/BNS /IPC ....

युवा प्रदेश समाचार पत्र
- लेखक बीआर अहिरवार(एडवोकेट एवं विधिक सलाहकार होशंगाबाद)
9827737665

भारतीय संविधान में भारत के प्रत्येक नागरिको को उनके मौलिक कर्तव्य दिए गए हैं और वह इनका पालन करे संविधान उनसे यह अपेक्षा करता है इसी प्रकार भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता एवं दंड प्रक्रिया संहिता में भी ग्राम पंचायत के नागरिक एवं जनता से कानूनी तौर पर अपेक्षा की जाती है कि अगर कोई सरकारी अधिकारी या लोक सेवक कोई अपराध का अन्वेषण या जाँच कर रहा है तो वह उसकी सहायता करे और सही जानकारी दे एवं लोक सेवक को झूठी जानकारी न दे अगर वह ऐसा करते है तो-

1. कोई सूचना या जानकारी छुपाने के लिए BNS की धारा 211 एवं IPC की धारा 176 के अंतर्गत दण्डित होगा इसकी संपूर्ण जानकारी हमने अपने लेख में दे दी है-

2. कोई व्यक्ति किसी लोक सेवक को झूठी सूचना देता है या जानकारी देता है तब वह क्रहस् की धारा 212 एवं IPC की धारा 177 के अंतर्गत दोषी होगा इसकी जानकारी भी हमने पिछले लेख में दे दी है।

अगर कोई व्यक्ति किसी लोक सेवक की सहायता नहीं करता है तब वह एक अन्य धारा के अंतर्गत दोषी होगा जानिए -

भारतीय न्याय संहिता, 2023 की धारा 222 एवं भारतीय दण्ड संहिता, 1860 की धारा 187 की परिभाषा ??

जो कोई व्यक्ति जो विधिक रूप से लोक सेवक को उसके कर्तव्यपालन में सहायता करने के लिए बाध्य है और वह जानबूझकर कर लोक सेवक की सहायता नहीं करता है या सहायता करने में लोप करता है वह व्यक्ति BNS की धारा 222 एवं IPC की धारा 187 के अन्तर्गत दोषी होगा।

Bharatiya Nyaya Sanhita Section www or Indian Penal Code Section v}| Provision of punishment

यह अपराध,असंज्ञेय एवं जमानतीय होते हैं अर्थात पुलिस थाने में इस अपराध के खिलाफ डारेक्ट एफआईआर दर्ज नहीं होगी लेकिन पुलिस थाने से एनसीआर लिखी जा सकती है एवं इस अपराध के लिए कोई भी न्यायिक मजिस्ट्रेट के समक्ष परिवाद (शिकायत) दर्ज होगा परिवाद किसी लोकसेवक के द्वारा दर्ज होगा जो वहा का प्राधिकारी हो। इस अपराध की सुनवाई कोई भी न्यायिक मजिस्ट्रेट द्वारा की जाती है।

सजा - इस अपराध के दण्ड को दो भागों में बांटा गया है

1. सरकारी अधिकारी की सहायता करने से जब लोप करना तब व्यक्ति कानूनी तौर पर सहायता करने के लिए बाध्य हैं तब लिए तीन माह की कारावास या जुर्माना (अब नए कानून में दो हज़ार पाँच सौ रुपये जुर्माना होगा) या दोनों से दण्डित किया जा सकता है।

2. किसी आदेश के तहत किसी अपराधों के निवारण के लिए सहायता मागी गई है और सहायता जानबूझकर नहीं की गई या लोप किया गया हो तब नये कानून में छः माह की सदा कारावास या पाँच हज़ार रुपये जुर्माना या दोनों से दण्डित किया जा सकता है।

अपराध का षडयंत्र करना कब अपराध होता है जानिए/IPC, BNS....

- लेखक
रागिनी सिंह (विधिक सलाहकार इंदौर)
8349039543

प्रारम्भ में भारतीय दण्ड संहिता में आपराधिक षड्यंत्र करना दण्ड नहीं था क्योंकि अपराध का षडयंत्र मात्र अपराध नहीं होता है जब तक कोई अपराध घटित न हो जाए लेकिन भारतीय दण्ड विधि संशोधन वर्ष 1931 में अध्याय 05 में एक नवीन अध्याय जोड़ा गया अध्याय 05(क) इसमे धारा 120 क एवं धारा 120 ख जोड़ी गई जिसमें आपराधिक षड्यंत्र को अपराध माना गया लेकिन वर्तमान नए कानून भारतीय न्याय संहिता, 2023 में इस अपराध को धारा 61 में परिभाषित किया गया है।

जानिए आपराधिक षड्यंत्र के दो आवश्यक तत्व कौन कौन से है-

1. दो या अधिक व्यक्तियों में अपराध करने की सहमति होना चाहिए।

2. सहमती अवैध होनी चाहिए।

3. अगर कोई वैध सहमती है तब उसमे अवैध साधनो का उपयोग किया गया हो।

इस संबंध में महत्वपूर्ण निर्णय जानिए

मूल्ये बनाम रेक्स मामले में न्यायधीश ने कहा कि षड्यंत्र दो या उससे अधिक व्यक्तियों के केवल आशय मात्र से नहीं अपितु दो या अधिक व्यक्तियों के अवैध कार्य की सहमति एवं किसी वैध कार्य को अवैध साधनो द्वारा करने की सहमति से निर्मित होता है।

बेटियों को शिक्षित और आत्मनिर्भर बनाने सामूहिक प्रयास जरूरी : राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु

मध्यप्रदेश में बौद्धिक सम्पदा का सर्वांगीण विकास में होगा उपयोगः मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल। राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने आहवान किया कि बेटियों को शिक्षित तथा आत्मनिर्भर बनने के लिये प्रोत्साहित किया जाये। देश को विकसित बनाने में बेटियों का अहम योगदान रहेगा। बेटियों को शिक्षित तथा आत्मनिर्भर बनाने तथा देश के सर्वांगीण विकास के लिये सामूहिक प्रयासों की जरूरत है।

उन्होंने कहा कि देवी अहिल्याबाई होल्कर महिला सशक्तिकरण और आत्म-निर्भरता का उत्तम उदाहरण है। देवी अहिल्याबाई होलकर ने कुशल प्रशासन, न्याय परायणता और कल्याणकारी कार्यों में कई मानक स्थापित किये है। राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मू आज इंदौर में देवी अहिल्या विश्वविद्यालय के हीरक जयंती समारोह के अवसर पर 14वें दीक्षांत समारोह को सम्बोधित कर रही थीं। समारोह में राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु ने विद्यार्थियों तथा शोधार्थियों को स्वर्ण तथा रजत पदक और उपाधियाँ वितरित की। राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु ने कहा कि स्वच्छता के क्षेत्र में इंदौर ने देश में असाधारण उपलब्धि

राष्ट्रपति ने दीक्षांत समारोह में विद्यार्थियों को वितरित की उपाधियाँ

हासिल की है। इसके लिये इंदौरवासियों को बधाई। उन्होंने कहा कि यह शहर देवी अहिल्याबाई होल्कर के नाम से पहचाना जाता है। इंदौर में विश्वविद्यालय भी देवी अहिल्याबाई के नाम पर स्थापित है। यह हमारे लिये गौरव का समय है, जब हम देवी अहिल्याबाई की 300वीं जयंती मना रहे हैं। लोक माता अहिल्याबाई शिक्षा के महत्व को समझती थी। उनके पिता ने भी उस दौर में उन्हें शिक्षा दिलाई जब बालिकाओं को शिक्षा दिलाना बहुत कठिन होता था। समाज के लोग उस वक्त शिक्षा का विरोध करते थे। देवी अहिल्याबाई होल्कर का जीवन महिला सशक्तिकरण का उत्तम उदाहरण है। उन्होंने अपने जीवन और शासन काल में महिलाओं को सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने के लिये नवीन और सफल प्रयास किये। साथ ही जनजातीय समाज की आजीविका को सुनिश्चित करने के लिये निर्णय लेकर उसे मुर्त रूप दिया और विकास के लिये अनेक महत्वपूर्ण कार्य किये। राष्ट्रपति ने कहा कि देवी अहिल्याबाई ने कुशल प्रशासन, न्याय परायणता और कल्याणकारी कार्यों में कई मानक स्थापित किये है। उनका जीवन महिलाओं के सामाजिक, राजनैतिक, आर्थिक, शैक्षणिक सहित अनेक क्षेत्रों में क्रांतिकारी बदलाव का बेहतर उदाहरण रहा है। उन्होंने अपने आत्म-विश्वास और दृढ़-संकल्प से कठिनाइयों एवं संघर्ष के दौर में बनाये रास्ते पर आज सुगमता से चला जा रहा है। राष्ट्रपति ने एक विदेशी कवियित्री की कविता का जिक्र करते हुए कहा कि देवी अहिल्याबाई की ख्याति देश ही नहीं विदेश में भी थी। यह हमारे लिये गौरव की बात है। मैं लोक माता देवी अहिल्याबाई की स्मृति को सादर नमन करती हूं। उन्होंने कहा कि यह लोकमाता देवी अहिल्याबाई का ही आर्शीवाद और आदर्शों की प्रति है कि आज के दीक्षांत समारोह में सर्वाधिक पदक बेटियों ने ही प्राप्त किये है। उन्होंने पदक प्राप्त सभी बेटियों को शुभकामनाएं दी और विश्वास व्यक्त किया कि जीवन की सभी बाधाओं को दूर करते हुए स्वयं ही रास्ता बनाते हुए आगे बढ़ेगी और अपने लक्ष्यों को प्राप्त करेंगी।

रतलाम का सीएम राइज स्कूल विश्व के सर्वश्रेष्ठ स्कूल पुरस्कार के फाइनलिस्ट में

स्कूल शिक्षा मंत्री श्री उदय प्रताप सिंह ने दी बधाई

भोपाल। मध्यप्रदेश के रतलाम का विनोबा सीएम राइज स्कूल विश्व के सर्वश्रेष्ठ स्कूल पुरस्कार-2024 के नवाचार श्रेणी में शीर्ष फाइनलिस्ट में शामिल हो गया है। दुनिया के अन्य शीर्ष स्कूलों के बीच रैंक में ऊपर आने के बाद अब यह स्कूल शीर्ष स्थान की दौड़ में है। लंदन स्थित टी-4 एजुकेशन संस्था ने आज शीर्ष 3 विद्यालयों की घोषणा की। सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री श्री चैतन्य काश्यप इस अवसर पर विद्यालय पहुँचे और उत्सवी माहौल में शिक्षकों और विद्यार्थियों को बधाई दी। स्कूल शिक्षा मंत्री श्री उदय प्रताप सिंह ने इस उपलब्धि पर बधाई दी है। उन्होंने कहा कि हम सबके लिये अत्यंत गर्व का विषय है कि सीएम राइज विनोबा स्कूल रतलाम को गुणवत्तापूर्ण शिक्षण की दिशा में नवाचार श्रेणी में मान्यता मिली है। उन्होंने कहा कि सीएम राइज स्कूल मध्यप्रदेश सरकार की एक दूरदर्शी पहल है, जिसका उद्देश्य हमारे विद्यालयों को विश्व स्तर पर उत्कृष्टता के केन्द्रों में लाना है। ऐसे विद्यालयों का निर्माण करना है, जो नवाचारी अभ्यासों और मजबूत सामुदायिक सहभागिता के माध्यम से उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा प्रदान करते हैं।

सरकारी शिक्षकों के लिये डिप्लोमा इन टीचिंग इंग्लिश

भोपाल। प्रदेश में आंग्ल भाषा शिक्षण संस्थान (ELTI) सरकारी स्कूलों में कार्यरत अंग्रेजी भाषा के शिक्षकों के प्रशिक्षण के लिये निरंतर प्रयास कर रहा है। स्कूल शिक्षा विभाग के अंतर्गत कार्यरत इस संस्थान द्वारा एक वर्षीय पी.जी. डिप्लोमा इन टीचिंग इंग्लिश पाठ्यक्रम निरंतर रूप से चलाया जा रहा है। यह डिप्लोमा कोर्स बरकतउल्ला विश्वविद्यालय भोपाल से संबद्ध है। इस पाठ्यक्रम में राज्य के स्कूल शिक्षा विभाग एवं जनजातीय कार्य विभाग के अंतर्गत आने वाले शासकीय उच्चत्तर, उच्च और माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों को प्रशिक्षण देने की व्यवस्था है। इस पाठ्यक्रम में मैथडॉलॉजी, अंग्रेजी भाषा की शिक्षण विधियां, ग्रामर, फॉनेटिक्स(स्वर विज्ञान), लिंग्विस्टिक्स (भाषा विज्ञान) और टीचिंग मटेरियल से जुड़े विषय पढ़ाये जा रहे हैं। सेवाकालीन प्रशिक्षण होने के कारण प्रशिक्षणार्थियों द्वारा अभ्यास पाठ के लिये स्कूलों में भी अभ्यास शिक्षण कार्य कराया जाता है। इस संस्थान से प्रशिक्षित शिक्षक अपने स्कूलों में बच्चों की अंग्रेजी भाषा के सुधार के लिये प्रभावी रूप से काम करने में सक्षम पूर्ण हो जाते हैं। प्रशिक्षण के बाद शिक्षकों को सर्टिफिकेट एवं बुक किट भी प्रदान की जाती है।

संस्थान की विशेषता

अंग्रेजी भाषा शिक्षण के उन्नयन, शिक्षक प्रशिक्षण और पाठ्य सामग्री निर्माण में गुणात्मक विकास लाने की दृष्टि से राज्य स्तर पर भोपाल के अरेरा हिल्स में राज्य शिक्षा केन्द्र में आंग्ल भाषा शिक्षण संस्थान (ELTI) कार्य कर रहा है। संस्थान की स्थापना वर्ष 1964 में की गई थी। यह संस्थान ग्रामीण एवं आदिवासी अंचलों में कार्यरत शिक्षकों के अंग्रेजी भाषा सुधार के लिये भी लगातार काम कर रहा है। यह संस्थान अध्यापन के क्षेत्र में सतत् उन्नयन एवं स्तरीय विकास के लिये अंग्रेजी एवं विदेशी भाषा विश्वविद्यालय (EFL-U) हैदराबाद से निरंतर सहयोग भी ले रहा है।

एडीबी का वैश्विक अनुभव मध्यप्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं को सशक्त करने में सहयोगी होगाः उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल

एशियन डेवलपमेंट बैंक के प्रतिनिधि मंडल से सहयोग के विभिन्न क्षेत्रों में किया विमर्श

भोपाल। उप मुख्यमंत्री श्री राजेंद्र शुक्ल ने कहा है कि एशियन डेवलपमेंट बैंक (एडीबी) द्वारा विगत कई वर्षों से जनहित के कार्यों में सहयोग प्रदान किया जा रहा है। एडीबी का वैश्विक अनुभव और सहयोग मध्यप्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं को सशक्त करने में सहयोगी होगा। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल से मंत्रालय वल्लभ भवन में एशियन डेवलपमेंट बैंक (एडीबी) के प्रतिनिधि मंडल ने सौजन्य भेंट कर स्वास्थ्य क्षेत्र में मध्यप्रदेश के साथ सहयोग के विभिन्न विषयों पर चर्चा की। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने मध्यप्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं को सशक्त करने के लिए एडीबी प्रतिनिधि मंडल से विभिन्न अंतःक्षेपों पर मंथन किया। एडीबी प्रतिनिधि मंडल द्वारा संचारी, ग़ैर-संचारी रोगों के

नियंत्रण, टीबी के उन्मूलन के लिए उन्नत डायग्नोस्टिक और नवीनतम उपचार प्रणाली में सहयोग सहित स्वास्थ्य नीतियों के सशक्तीकरण के लिए विभिन्न देशों में एडीबी द्वारा किए जा रहे प्रयासों की जानकारी दी। साथ ही विभिन्न राज्यों में स्वास्थ्य क्षेत्र में एडीबी द्वारा किए जा रहे सहयोग पर विस्तार से चर्चा कर मध्यप्रदेश में सहयोग के क्षेत्रों पर विमर्श किया गया। उल्लेखनीय है कि मध्यप्रदेश में एडीबी द्वारा विगत 25 वर्षों में ऊर्जा, अधोसंरचना, शहरी विकास आदि क्षेत्रों में सहयोग प्रदान किया गया है। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के सशक्त और दूरदर्शी नेतृत्व में भारत की अर्थव्यवस्था सशक्त हुई है। उन्होंने कहा कि शिक्षा और स्वास्थ्य प्रधानमंत्री श्री मोदी के सर्वोच्च प्राथमिकता के विषय हैं। बच्चों और युवाओं को उत्कृष्ट शिक्षा और हर नागरिक तक सहज, सुलभ चिकित्सकीय सेवाओं की उपलब्धता के लिए जन-कल्याणकारी योजनाएँ संचालित हैं।

प्रदेश में विगत 7 माह में कम हुए अपराध,जारी आंकड़ों के अनुसार महिलाओं बच्चों के विरूद्ध गंभीर अपराधों में आई कमी

रिपोर्टर देवेन्द्र कुमार जैन भोपाल मध्य प्रदेश

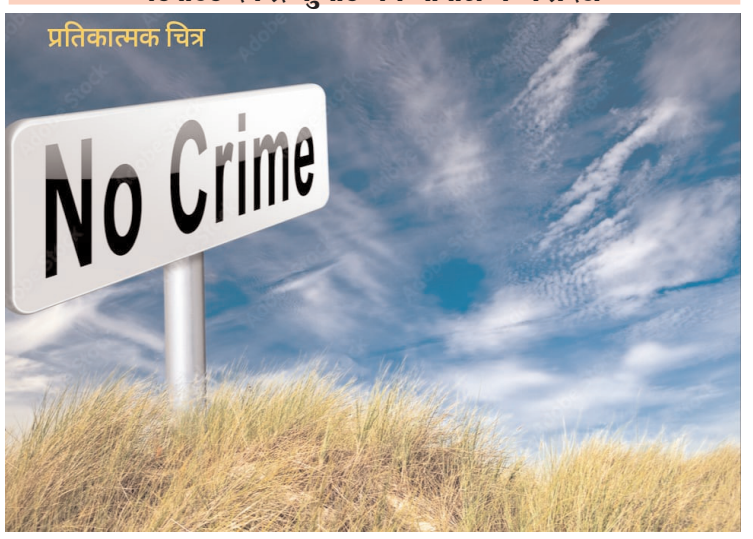

मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा अपराध नियंत्रण के लिए हो रही कार्यवाहियों के सकारात्मक परिणाम हुए हैं। राज्य अपराध अभिलेख ब्यूरो पुलिस मुख्यालय भोपाल द्वारा वर्ष 2023 एवं 2024 के एक जनवरी से 31 जुलाई तक हुए अपराधों की समीक्षा करने पर यह तथ्य सामने आया है कि वर्ष 2023 की तुलना में वर्ष 2024 के प्रथम सात माह की अवधि में विभिन्न प्रकार के गंभीर अपराध,जिनमें महिलाओं,बच्चों व अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के विरूद्ध अपराधों में भी कमी आई है। महिलाओं के विरूद्ध अपराधों में जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाकर त्वरित कार्यवाही की जा रही है। इसके फलस्वरूप जहां एक ओर गैंग रेप के प्रकरणों में 19.01 प्रतिशत की कमी आई है, वहीं महिलाओं के विरूद्ध क्रूरता तथा दहेज प्रताड़ना के अपराधों में 3.23 प्रतिशत की कमी आई है। महिलाओं की सुरक्षा को प्रभावी बनाने के कारण ही छेड़छाड़ के प्रकरणों में 9.85 प्रतिशत की कमी हुई है। इसी प्रकार महिलाओं के विरूद्ध होने वाले अपराधों में 7.91 प्रतिशत की कमी आई है। संपत्ति संबंधी अपराधों की समीक्षा में पाया गया कि लूट के अपराधों में 23.22 प्रतिशत की कमी आई है। नकबजनी में 9.53 प्रतिशत की कमी आई है। इसी प्रकार सामान्य चोरी में 6.51 प्रतिशत की कमी हुई है। कुल 1 लाख 82 हजार 714 ढ्ढक्क्ष्+क्व्हस्र अपराध हुए। जबकि पिछले वर्ष इसी अवधि में 1 लाख 89 हजार 178 अपराध हुए हैं। इससे यह स्पष्ट है कि विगत 7 माह में अपराधों में 3.53 प्रतिशत की कमी आई है। गंभीर अपराधों जैसे हत्या के प्रकरणों में 7.15 प्रतिशत और डकैती में 51.56 प्रतिशत से अधिक की कमी आई है।महिलाओं के विरूद्ध गंभीर अपराधों जैसे बलात्कार के प्रकरणों में 10.22 प्रतिशत की, सामूहिक बलात्कार के प्रकरणों में 19.01 प्रतिशत की, छेड़छाड़ के प्रकरणों में 9.85 प्रतिशत और दहेज प्रताड़ना में 3.23 प्रतिशत की कमी आई है। इसी प्रकार बच्चों के विरूद्ध अपराधों में भी 14 प्रतिशत की कमी आई है। यह परिणाम मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा महिलाओं एवं बच्चों की सहायता व सुरक्षा के लिए चलाये गये विभिन्न कार्यक्रम जैसे ऊर्जा महिला डेस्क, ÷आशा÷, ÷मुस्कान÷, ÷मैं हूँ अभिमन्यु÷, जैसे अभियान के कारण सामने आए हैं।अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के विरूद्ध गंभीर अपराधों में पिछली अवधि की तुलना में 22.04 प्रतिशत की कमी आई है। जो अपराध वर्ष- 2023 में 4033 थे वह वर्ष 2024 में घटकर 3144 हो गये हैं। इसी प्रकार अनुसूचित जाति जनजाति के हॉटस्पॉट में भी कमी आई है।

मध्यप्रदेश मानव अधिकार आयोग के 30 वें स्थापना दिवस कार्यक्रम में शामिल हुए नगरीय प्रशासन एवं आवास मंत्री

रिपोर्टर देवेन्द्र कुमार जैन भोपाल मध्य प्रदेश

नगरीय प्रशासन एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा है कि सरकारी योजनाओं और कार्यक्रम की सफलता में जन-भागीदारी का महत्वपूर्ण रोल होता है। उन्होंने समाज के हर स्तर पर जन-भागीदारी बढ़ाने पर जोर दिया। मंत्री विजयवर्गीय भोपाल के नरोन्हा प्रशासन अकादमी में नगरीय सुशासन - मानव अधिकार विषय पर हुए कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर अतिथियों द्वारा स्मारिका का विमोचन किया गया। नगरीय विकास मंत्री ने बताया कि नगरीय क्षेत्र में विकास कार्यों के लिये केन्द्र सरकार से अधिक से अधिक राशि मिल रही है। शहरों के विकास के लिये स्मार्ट सिटी जैसे महत्वाकांक्षी कार्यक्रम पर तेजी से कार्य किया जा रहा है। इंदौर शहर का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के %एक पेड़ माँ के नाम% अभियान में एक दिन में केवल 12 घंटे में सफल जन-भागीदारी से 12 लाख पौधे लगाये गये हैं।

आज इन पौधों की देख-भाल शहर का नागरिक आगे बढ़कर कर रहा है। स्वच्छता ही सेवा अभियान की चर्चा करते हुए मंत्री विजयवर्गीय ने कहा कि बच्चों में सफाई के संस्कार शुरू से डाले जायें, तो इसके बेहतर परिणाम इंदौर में देखे जा सकते हैं। इंदौर शहर में स्वच्छता के मामले में देशभर में मध्यप्रदेश को विशिष्ट पहचान दिलाई है। अब इंदौर को क्लीन सिटी के साथ ग्रीन सिटी बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि हम सब का दायित्व है कि हम सफाई मित्रों के हितों का ख्याल रखें और उन्हें पूरा सम्मान दें। मंत्री विजयवर्गीय ने अपने नगर निगम जन-प्रतिनिधि के रूप में कच्चे शौचालय को पक्के शौचालय में परिवर्तित किये गये कार्यों की जानकारी दी। मानव अधिकार आयोग के अध्यक्ष ने आयोग की गतिविधियों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि आयोग की पहुंच बढ़ाने के लिये नवाचार करते हुए %आयोग आपके द्वार% कार्यक्रम की शुरूआत की गई है। आयोग 35 जिला मुख्यालय तक अपने कार्यक्रम आयोजित कर चुका है। आयोग की मंशा है कि समाज के प्रत्येक नागरिक के साथ समान व्यवहार हो। कार्यक्रम में नगरीय विकास एवं आवास विभाग की योजनाओं की जानकारी, नगर निगम भोपाल, नगर एवं ग्राम निवेश विभाग और अटल बिहारी वाजपेयी सुशासन एवं नीति विश्लेषण संस्थान का प्रेजेंटेशन भी दिया गया।

14 सितंबर को जंतर मंतर में हिंदी सेवियों की ऐतिहासिक सभा

कवि संगम त्रिपाठी

दिल्ली - प्रेरणा हिंदी प्रचारिणी सभा जंतर मंतर में 14 सितंबर 2024 को ऐतिहासिक सभा आयोजित कर रही है जिसमें आजादी के बाद हिंदी को राष्ट्रभाषा बनाने हेतु हिंदी सेवियों की ऐतिहासिक सभा प्रदर्शित की गई है। संस्था के संपादक कवि संगम त्रिपाठी ने बताया कि इस सभा में हिंदी सेवी हिंदी को राष्ट्रभाषा बनाने हेतु चिंतन करेंगे। प्रदीप मिश्र अजनबी महासचिव दिल्ली के संचालन में ऐतिहासिक काव्य पाठ भी किया जाएगा। देश के विभिन्न प्रांतों से हिंदी सेवियों के दिल्ली पहुंचने का सिलसिला जारी हो गया है। जंतर मंतर में सभा के पश्चात प्रेरणा हिंदी प्रचारिणी सभा का राष्टीय सम्मेलन डॉ धर्म प्रकाश वाजपेई सिविल सेवा संस्थान 18 पूसा रोड करोलबाग नई दिल्ली में दोपहर 03.00 बजे से आयोजित है। राष्ट्रीय सम्मेलन में सम्मान समारोह, किताब विमोचन व काव्य पाठ के साथ ही हिंदी प्रचार प्रसार व राष्ट्रभाषा बनाने की दिशा में विचार विमर्श किया जाएगा।

स्वच्छता ही सेवा पखवाड़े के अंतर्गत कलेक्ट्रेट कार्यालय में सफाई अभियान का हुआ आयोजन

रिपोर्टर देवेन्द्र कुमार जैन भोपाल मध्य प्रदेश

प्रधानमंत्री के जन्मदिन के अवसर पर मंगलवार से 'स्वच्छता ही सेवा' अभियान की शुरुआत की गई, जिसके अंतर्गत पूरे प्रदेश में स्वच्छता पखवाड़ा मनाया जा रहा है। इसी कड़ी में भोपाल जिले के कलेक्ट्रेट कार्यालय में एक व्यापक स्वच्छता अभियान का आयोजन किया गया। इस अभियान में जिले के अधिकारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और स्वच्छता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। कलेक्ट्रेट परिसर में हुए सफाई अभियान में एडीएम, एसडीएम, डिप्टी कलेक्टर समेत अन्य अधिकारियों ने न केवल परिसर की सफाई की, बल्कि स्वच्छता के महत्व को लेकर जागरूकता भी फैलाई। इस अवसर पर अधिकारियों ने कहा कि स्वच्छता को जीवन का हिस्सा बनाना आवश्यक है और यह सिर्फ एक दिन का काम नहीं, बल्कि निरंतर प्रयास की मांग करता है। अभियान के दौरान कचरे का उचित निपटान, धूल-मिट्टी की सफाई और अन्य सफाई कार्यों को अंजाम दिया गया। अधिकारियों ने सभी कर्मचारियों और नागरिकों से अपील की कि वे अपने आसपास के क्षेत्रों को स्वच्छ बनाए रखने में सहयोग करें और स्वच्छ भारत के सपने को साकार करने में अपना योगदान दें। उन्होंने कहा कि स्वच्छता न केवल शारीरिक स्वास्थ्य के लिए, बल्कि मानसिक शांति के लिए भी महत्वपूर्ण है। स्वच्छता ही सेवा पखवाड़ा, स्वच्छ भारत मिशन की दिशा में एक और सशक्त कदम है, जिसमें पूरे देश में स्वच्छता को लेकर जागरूकता फैलाने का उद्देश्य है। भोपाल जिले में इस अभियान के शुभारंभ के साथ, अन्य सरकारी और सार्वजनिक स्थलों पर भी सफाई अभियान आयोजित किए जाएंगे।

उन्नत बीवीआर मिसाइल अस्त्र एमके-2 दो वर्षों में भारतीय वायुसेना में शामिल होने के लिए तैयार होगी

रिपोर्टर देवेन्द्र कुमार जैन भोपाल मध्य प्रदेश

सूत्रों के अनुसार140 किलोमीटर से अधिक की मारक क्षमता वाली यह मिसाइल सबसे घातक हथियारों में से एक होगी, जिसका उपयोग स्वदेशी लड़ाकू जेट तेजस लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट द्वारा किया जाएगा।सूत्रों के अनुसार भारतीय वायु सेना को अगले दो वर्षों में स्वदेशी बियॉन्ड-विजुअल-रेंज (बीवीआर) मिसाइल का उन्नत संस्करण प्राप्त होने की संभावना है, क्योंकि एस्ट्रा एमके-2 के सभी परीक्षण 2026 तक पूरे होने की संभावना है। 140 किलोमीटर से अधिक की मारक क्षमता वाली यह मिसाइल स्वदेशी लड़ाकू जेट तेजस लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले सबसे घातक हथियारों में से एक होगी। सूत्रों के अनुसार÷अगले साल एस्ट्रा एमके 2 के लिए विकास और उपयोगकर्ता परीक्षणों की एक श्रृंखला की योजना बनाई गई है। 2026 तक सभी परीक्षण पूरे हो जाएंगे, जब मिसाइल शामिल होने के लिए तैयार हो जाएगी। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन द्वारा विकसित अस्त्र एमके-1, जिसका उपयोग भारतीय वायुसेना वर्तमान में कर रही है, की मारक क्षमता 80-110 किमी है। एस्ट्रा एमके-2 की रेंज 140 किलोमीटर से अधिक हो जाएगी, जिसके लिए डिजाइन में कुछ संशोधन किए गए हैं। बी.वी.आर. क्षमता वाली हवा से हवा में मार करने वाली मिसाइल भारतीय वायुसेना के लड़ाकू विमानों को लंबी दूरी तक मार करने की क्षमता प्रदान करती है, यह मिसाइल अत्यधिक गतिशील सुपरसोनिक हवाई लक्ष्यों को नष्ट करने में सक्षम है।जो दुश्मन के विमानों को बिना किसी प्रतिकूल वायु रक्षा उपायों के खतरे में डाले ही बेअसर कर सकती है, जिससे वायु क्षेत्र में श्रेष्ठता प्राप्त होती है। दो वर्ष से अधिक समय पहले, रक्षा मंत्रालय ने भारतीय वायुसेना और भारतीय नौसेना को अस्त्र एमके-1 मिसाइलों और लांचरों की अनिर्दिष्ट संख्या की आपूर्ति के लिए हैदराबाद स्थित भारत डायनेमिक्स लिमिटेड के साथ 2,971 करोड़ रुपये के अनुबंध पर हस्ताक्षर किए थे। शुरुआत में इस मिसाइल को स्ल्व-30 स्न्य-द्ध लड़ाकू विमान के साथ एकीकृत किया गया था, लेकिन बाद में इसे स्वदेशी तेजस लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट से सफलतापूर्वक लॉन्च किया गया। इस मिसाइल का इस्तेमाल नौसेना के मिग-29च्च लड़ाकू विमानों में भी किया जा सकता है जो विमान वाहक के डेक से संचालित होते हैं। पिछले वर्ष पहली पीढ़ी के तेजस एलसीए ने गोवा से 20,000 फीट की ऊंचाई से अस्त्र एमके-1 मिसाइल को सफलतापूर्वक दागा था। सूत्रों के अनुसार बीडीएल अब इस मिसाइल को तेजस बेड़े में शामिल करने की प्रक्रिया में है।

गणपति बप्पा मोरिया अगले बरस तू लौकरिया .....

शहडोल /जयसिंहनगर – ग्राम अमझोर के नन्हे मुन्ने भक्तों के द्वारा गजानन की मूर्ति को अपने हाथों से बनाया उसकी विधि विधान से पूजा अर्चना कर लोगों को यह बताया कि हमारे हौसले में कोई कमी नहीं है , उड़ान के लिए पंखों की नही ...हौसलों की जरूरत होती है । मूर्तिकार शशिकांत सिंह कंवर जो कक्षा 12 वी का छात्र है। श्री गणेश भगवान की मूर्ति की अपने हाथों से बनाया मूर्ति की स्थापना कर 10 दिनों तक विधि विधान से पूजा अर्चना की गणेश भगवान के उपवासको में अमृता सिंह कंवर, अरुण सिंह , रिया सिंह कंवर ,मेघा, सरस्वती ,जूही, मोनिका कुशवाहा के साथ मीनाक्षी, वर्षा, संध्या, आरती, कपिल, कंचन साहू ,जय पाठक, आयुष पाठक ,अभी पाठक पुष्पराज सिंह , श्वेतांग सिंह कंवर, अमित सिंह कंवर ,लवकुश कुशवाहा ,अंकुश ,प्रकाश कुशवाहा सहित बच्चों ने उत्साहवर्धन चित्रकला व मेहंदी प्रतियोगिता हिस्सा लिया । प्रतियोगिता को करने के लिए समाज सेवी रूद्र प्रताप सिंह के द्वारा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। बच्चों ने बड़े उत्साह से इन सभी कार्यक्रमों में हिस्सा लिया बच्चो ने एक दूसरे के सहयोग करते हुए प्रसाद वितरण कर विसर्जन के कार्यक्रम धूमधाम से झांकी के माध्यम से गणेश भगवान के अंतिम विदाई नाम आंखों से बच्चों ने किया ....गणपति बप्पा मोरिया अगले बरस तू लौकरियां.... अगले वर्ष फिर से उसी उत्साह से उसी उमंग से भगवान श्री गणेश की उपासना की जाएगी।

एसडीएम ने धान पंजीयन केंद्रों का किया निरीक्षण

खरीफ विपणन हेतु पंजीयन 4 अक्टूबर तक

शहडोल – अनुविभागीय अधिकारी राजस्व जैतपुर श्रीमती अमृता गर्ग ने आज जनपद पंचायत बुढार के विपणन वर्ष 2024-25 में विक्रय हेतु बनाएं गए पंजीयन केंद्र चन्नौडी, केशवाही, गिरवा का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अनुविभागीय अधिकारी राजस्व जैतपुर श्रीमती अमृता गर्ग ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि किसानों का शत-प्रतिशत पंजीयन कराएं जिससे किसान सीधे शासकीय खरीदी केन्द्रों में अपना अनाज उचित मूल्य में विक्रय कर सकें। गौरतलब है कि खरीफ विपणन वर्ष 2024-25 अंतर्गत समर्थन मूल्य में धान, ज्वार एवं बाजरा उपार्जन हेतु किसानों के पंजीयन का कार्य 19 सितम्बर से 04 अक्टूबर 2024 तक किया जाएगा। समर्थन मूल्य पर अपनी उपज विक्रय हेतु इच्छुक किसान निर्धारित समयावधि में अपना किसान पंजीयन, पंजीयन केन्द्रों के माध्यम से करा सकते हैं, पंजीयन की निःशुल्क व्यवस्था हेतु ग्राम पंचायत कार्यालय में स्थापित सुविधा केन्द्र, जनपद पंचायत कार्यालयों में स्थापित सुविधा केन्द्र पर, तहसील कार्यालयों में स्थापित सुविधा केन्द्र, सहकारी समितियों एवं विपणन संस्थाओं द्वारा संचालित पंजीयन केन्द्र एवं एम.पी. किसान एप पर पंजीयन करा सकते हैं।

विद्यालयों में बनाया जाए मीनू के अनुसार मध्यान्ह भोजन- एसडीएम

एसडीएम जैतपुर ने ली एसएचजी की बैठक

शहडोल - अनुविभागीय अधिकारी राजस्व जैतपुर श्रीमती अमृता गर्ग ने आज जनपद पंचायत बुढार के सभागार में जैतपुर अनुभाग के अंतर्गत प्राथमिक एवं माध्यमिक विद्यालयों में एसएचजी द्वारा बनाए जा रहे मध्यान्ह भोजन के संबंध में बैठक ली। बैठक में मध्यान्ह भोजन बनाने वाले एसएचजी को निर्देश दिए कि प्राथमिक एवं माध्यमिक विद्यालयों में मीनू के अनुसार के मध्यान्ह भोजन बनाया जाए तथा गुणवत्तायुक्त रहें यह सुनिश्चित कर मध्यान्ह भोजन का वितरण कराएं। उन्होंने निर्देश दिए कि मध्यान्ह भोजन में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए अन्यथा लापरवाही पर संबंधितों के विरूद्ध सख्त कार्यवाही की जाएगी। बैठक में जैतपुर अनुभाग के प्रधानमंत्री पोषण शक्ति संचालन के सदस्यगण एवं मध्यान्ह भोजन बनाने वाले एसएचजी उपस्थित थें। गौरतलब है कि जनपद पंचायत बुढार के अंतर्गत मध्यान्ह भोजन वितरण में लापरवाही बरतने पर सेजहाई एसएचजी को कार्य से पृथक कर दिया गया है।

100 दिवसीय विशेष जागरूकता अभियान अंतर्गत आयोजित हुआ कार्यक्रम

शहडोल – जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला बाल विकास विभाग श्री मनोज लारोकर के मार्गदर्शन एवं डीएचईव्ही प्रभारी श्रीमती संजीता भगत के नेतृत्व में डिस्ट्रिक्ट हब फॉर एंपावरमेंट ऑफ़ वूमेन, 100 दिवसीय विशेष जागरूकता अभियान अंतर्गत 14वें सप्ताह सामुदायिक गतिशीलता अंतर्गत आज श्रीमती सपना पाण्डेय परामर्शदाता, भानुप्रिया केसवर्कर के द्वारा दिल्ली पब्लिक स्कूल बलपुरवा व शा0 पूर्व माध्यमिक विद्यालय घरौला मोहल्ला जिला शहडोल में उपस्थित होकर समस्त बालक व बालिकाओं को सामुदायिक गतिशीलता के तहत् तकनीकी शिक्षा औद्यौगिक प्रशिक्षण संस्था के बारे में बताया गया तथा छोटे बच्चों को गुड टच, बैड टच, बाल विवाह निषेध अधिनियम की जानकारी दी गई। कार्यक्रम में बच्चों से सम्बंधित किसी भी प्रकार की समस्या का समाधान के लिए शासन द्वारा जारी किए गए टोल फ्री नम्बर चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, एवं महिला हेल्पलाइन 181 के बारे में भी बताया गया।

शासकीय हाईस्कूल खटपुरा में स्वच्छता भारत मिशन के अंतर्गत गतिविधियों का आयोजन किया गया

पत्रकार बीआर अहिरवार शाहगंज। शासकीय हाईस्कूल खटपुरा में मे स्वच्छता अभियान के अंतर्गत स्कूल परिसर में साफ सफाई की गई एवं स्वच्छता जागरूकता के लिए रैली निकाली गई एवं छात्र-छात्राओं द्वारा गतिविधियों का आयोजन किया गया । शाला प्राचार्य श्री कप्तान सिंह चौहान ने स्वच्छता के बारे मे विद्यार्थियों को बताया एवं स्कूल शाला प्रभारी श्री घनश्याम प्रजापति एवं समस्त शाला स्टाफ में शाला परिसर में साफ सफाई की इस स्वच्छता अभियान में स्कूल के छात्र/छात्राओं सहित स्कूल के शिक्षक वृन्द श्री योगेश हनुवत,श्री गिरजाशंकर पांडे, श्री महेश पालीवाल, श्री दीनदयाल गोर, श्री रामभरोस वर्मा , श्री चरण सिंह बनाफर ,श्री यूनिस खान, श्रीमती कृति अहिरवार, श्रीमती ज्योति अहिरवार, श्रीमती नाज़मीन फातिमा, श्री अरविंद अहिरवार, श्री दीपक चौहान एवं श्री बालकराम अहिरवार शामिल हुए।

तालाब में नहाने गए 19 वर्षीय युवक की तालाब में डूबने से मौत तालाब में सुरक्षा के नहीं है कोई पुख्ता इंतजाम।

संवाददाता हल्केवीर

देवरी। नगर परिषद देवरी के वार्ड क्रमांक 3 के गोरखपुर तालाब में डूबने से 19 वर्षीय हरीश अहिरवार पिता बंशीलालाल अहिरवार की मौत हो गई।। डूबने वालों में एक उनका भाई भी था जिसने मौखिक रूप से बताया कि हम चार दोस्त साथ में नहा रहे थे अचानक छोटे भाई का पैर फिसल गया और वह गहरे पानी में चला गया हम सब ने उसे खींचने की कोशिश की लेकिन वह अंदर खींचना जा रहा था किस कारण हम उसको नहीं खींच पाए हम भी उसके साथ खींचने लगे तब हमने उसे छोड़ दिया और वह तालाब में गुम हो गया। दौरान एक दोस्त गहरे पानी में चला गया और डूबने लगा। बाकी दोस्तों ने उसे बचाने की कोशिश की, लेकिन सफलता नहीं मिली। मौके पर बचाव दल को बुलाया गया, लेकिन जब तक सहायता पहुंची, तब तक उस दोस्त की मौत हो चुकी थी। स्थानीय प्रशासन द्वारा तालाब के किनारे चेतावनी बोर्ड या सुरक्षा निर्देशों की कमी पर भी चर्चा की जा रही है, क्योंकि ऐसी घटनाएँ अकसर उन इलाकों में होती हैं जहाँ सुरक्षा के उपाय नहीं होते। प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि किसी भी प्रकार के जल स्रोत में नहाने से पहले सावधानी बरतें और केवल उन्हीं स्थानों पर नहाएं जहाँ सुरक्षा की व्यवस्था हो। इस दुखद घटना से पूरे इलाके में शोक की लहर दौड़ गई है।।

कांग्रेस नेताओं ने भाजपा नेताओं के खिलाफ कार्रवाई की मांग, थाना प्रभारी को ज्ञापन सौंपा

संवाददाता हल्केवीर की न्यूज़

देवरी। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी और जिला पिछड़ा वर्ग कांग्रेस विभाग के नेताओं ने थाना प्रभारी हरिओम अस्थाया को ज्ञापन सौंपकर भाजपा नेताओं द्वारा कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर की गई अभद्र टिप्पणियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की है। यह ज्ञापन सामूहिक रूप से कांग्रेस के नेताओं ने सौंपा, जिसमें भाजपा नेताओं द्वारा संसद में राहुल गांधी के खिलाफ अपमानजनक भाषा का प्रयोग किए जाने को लेकर गहरी आपत्ति जताई गई है। ज्ञापन में कहा गया कि भाजपा के नेता बार-बार राहुल गांधी को अपमानित करने की कोशिश कर रहे हैं, जिससे उनके समर्थकों और आम जनता में असंतोष बढ़ रहा है। कांग्रेस नेताओं का कहना है कि यह देश की राजनीति में असभ्यता और गैर-जिम्मेदाराना व्यवहार को बढ़ावा देता है, जो लोकतांत्रिक मूल्यों के खिलाफ है। कांग्रेस नेताओं ने इस मामले में दोषी नेताओं के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है और कहा कि इस तरह के कृत्यों से सामाजिक समरसता और राजनीतिक मर्यादा प्रभावित हो रही है। उन्होंने पुलिस प्रशासन से तत्काल इस मामले में हस्तक्षेप कर संबंधित भाजपा नेताओं पर कानूनी कार्रवाई करने की अपील की। इस ज्ञापन को सौंपने के दौरान प्रदेश समन्वयक पिछड़ा वर्ग प्रताप सिंह लोधी, जिला अध्यक्ष परसोताम लोधी, ब्लॉक अध्यक्ष गरुड़ रघुवंशी, वीरेंद्र सिंह राजपूत, परसोताम रघुवंशी, अशोक सोमिया, नरेंद्र लोधी, संजय गुप्ता, दिनेश लोधी, परसोत्तम धाकड़, देवरी पार्षद दिनेश बघेल, गोटीराम बघेल और अन्य प्रमुख नेता उपस्थित थे। ज्ञापन में कांग्रेस नेताओं ने स्पष्ट किया कि यदि जल्द से जल्द दोषियों पर कार्रवाई नहीं की गई, तो कांग्रेस कार्यकर्ता बड़े पैमाने पर आंदोलन करेंगे और इस मुद्दे को प्रदेश स्तर पर उठाएंगे।

बरेली के अनुसूचित जाति/जनजाति छात्रावास के छात्रों ने की नए अधीक्षक की मांग

संवाददाता हल्केवीर

बरेली। अनुसूचित जाति (एससी) और अनुसूचित जनजाति (एसटी) के छात्रावास के छात्रों ने अपने छात्रावास अधीक्षक हरिसिंह अहिरवार के खिलाफ गंभीर आरोप लगाते हुए जिला प्रशासन को पत्र लिखा है। छात्रों का आरोप है कि अधीक्षक उन्हें वित्तीय रूप से शोषित कर रहे हैं और अवैध रूप से प्रवेश के लिए 2500 रुपये और हर महीने 700 रुपये वसूल रहे हैं। इनकार करने पर उन्हें छात्रावास से निकालने की धमकी दी जाती है। छात्रों का कहना है कि नियमित फीस के बावजूद उन्हें खराब गुणवत्ता का भोजन परोसा जाता है, जिसमें जली हुई रोटियां और एक ही प्रकार का भोजन दिया जाता है। साथ ही, छात्रावास में अध्ययन और कोचिंग की व्यवस्था भी बाधित होती रहती है। जब छात्र कोचिंग की मांग करते हैं, तो अधीक्षक यह कहकर टाल देते हैं कि अभी शिक्षकों की नियुक्ति नहीं हुई है। इसके अलावा, पत्र में यह भी बताया गया है कि छात्रावास को अक्सर बिना किसी उचित कारण के कई दिनों तक बंद कर दिया जाता है, जिससे छात्रों की पढ़ाई पर बुरा असर पड़ता है। छात्रावास के लगभग 50 छात्रों ने एकजुट होकर प्रशासन से इस मामले में हस्तक्षेप की अपील की है, ताकि उनके भविष्य और शिक्षा को सुरक्षित किया जा सके। छात्रों ने मांग की है कि हरिसिंह अहिरवार को अधीक्षक के पद से हटाया जाए और उनकी जगह किसी नए और जिम्मेदार अधीक्षक की नियुक्ति की जाए, जो नियमों के अनुसार छात्रावास का संचालन करे और छात्रों के हितों का ध्यान रखे। इस मांग में न्याय, समानता और शिक्षा के अधिकार को सुनिश्चित करने की बात कही गई है, ताकि सभी छात्रों, विशेषकर वंचित समुदायों के छात्रों, को बिना किसी उत्पीड़न के शिक्षा और बुनियादी सुविधाएं मिल सकें।

जन अधिकार मोर्चा की टीम ने आज बस्तर के नए कलेक्टर श्री हरीश एस से शिष्टाचार भेंट की।

आज जन अधिकार मोर्चा की टीम बस्तर के नव नियुक्त कलेक्टर श्री हरीश एस से मिलने उनके कार्यालय पहुंची। जन अधिकार मोर्चा की टीम ने कलेक्टर के साथ बस्तर जिले की सभी समस्याओं के बारे में विस्तार से चर्चा की फिर चाहे वह डिमरापाल अस्पताल की समस्या हो या चांदनी चौक से शराब की दुकान को हटाने की समस्या हो या शहर के यातायात व्यवस्था की समस्या हो।कलेक्टर महोदय ने सभी समस्याओं को ध्यान से सुना और उनका समय से समाधान करने का आश्वासन दिया इस अवसर पर प्रदेश संयोजक दीप्ती तिवारी, प्रदेश सचिव किरण देवांगन,तोकापाल ब्लॉक अध्यक्ष दशमु राम सेठिया, जिला उपाध्यक्ष श्याम स्वर्णकार,जिला सचिव अनीता चौहान,जिला सचिव सावित्री सिरदार, जिला उपाध्यक्ष धर्मवीर दुबे व अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

लगातार आ रही शिकायतों के बाद सक्रिय हुआ प्रशासन

हॉस्टल में दूषित खाद्य सामग्री की जांच करने पहुंचे एसडीएम

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

सिरोंज. क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले छात्रावासों में कमियों की शिकायत कम होने का नाम नही ले रही हैं। ताजा मामला कस्तूरबा गांधी छात्रावास का है, जहां पिछले दिनों बच्चों को दूषित सामग्री से भोजन बनाकर खिलाने का शिकायत सामने आई थी। इसी शिकायत करने एसडीएम छात्रावास पहुंचे थे।

विकासखंड के अंतर्गत आने वाले बालक एवं बालिका छात्रावास में कई वर्षो से जमे अधीक्षक एवं अन्य जिम्मेदारों की लापरवाही और कमियां होने पर छात्र-छात्राएं शिकायत करने से डरते हैं। शिकायत होने पर जांच अधिकारी कुछ दिन के लिए जिम्मेदारों को हटाकर मामला ठंडा कर देते हैं। कुछ समय बाद दोबारा उनको हॉस्टल की जिम्मेदारी मिल जाती हैं। जिससे हॉस्टल में रहने वाले छात्र-छात्राओं के अधिकारों के साथ हनन हो रहा है। वहीं, छात्र-छात्राओं पर खर्च होने वाली राशि में गोलमाल किया जा रहा है। नया शासकीय कस्तूरबा गांधी छात्रावास सामने आया है। जिसमें एक वायरल वीडियो में खराब और दूषित सब्जियों से भोजन पकाने के अलावा अन्य समस्याएं दिखाई दे रही थी। जिसके बाद स्थानीय प्रशासन निरीक्षण करने छात्रावास पहुंचा। जिसमें एसडीएम हर्षल चौधरी एवं तहसीलदार संजय चौरसिया, पुलिस बल के साथ निरीक्षण किया गया। हालांकि अधिकारियों का यह कोई पहला निरीक्षण नहीं था। बीते महीने भी एसडीएम को शिकायत मिली थी। जिसमें नायब तहसीलदार विकास अग्रवाल ने शिक्षा विभाग एवं महिला बाल विकास की टीम के साथ निरीक्षण किया था। जहां एक्सपायरी सामान मिलने पर अधीक्षक का को तत्काल प्रभाव से हटा दिया था।

भीम आर्मी अध्यक्ष गब्बर सिंह अहिरवार ने आरोप लगाते हुए कहा कि हॉस्टल में छात्र-छात्राओं की पर खर्च होने वाली राशि में छात्रावास के जिम्मेदार गोलमाल करते है। इतना ही नहीं कई एडमिशन फर्जी कर साल भर की उनकी राशि हड़प ली जाती है और उन छात्रों को कुछ लालच देकर या डराकर चुप करा दिया जाता है। कई वर्षो से जिम्मेदारी जमे हुई हैं। जिसके चलते छात्र-छात्राएं शिकायत करने में डरते हैं।

सिरोंज. जांच करने पहुंचे एसडीएम

पहले भी हमने निरीक्षण किया था। हॉस्टल में कमियां मिलने पर अधीक्षक को पर हटाया गया था। अब दोबारा शिकायत मिली थी। उसकी यह निरीक्षण किया गया है। जांच चल रही है।
हर्षल चौधरी, एसडीएम

छात्रावासो में छात्र-छात्राओं पर खर्च होने वाली राशि छात्रावास के जिम्मेदार गोल करते हैं फर्जी एडमिशन कर साल भर की राशि छात्र-छात्राओं की हड़प ली जाती है कई वर्षों से जिम्मेदार एक ही जगह जमे हुए हैं Collector Office Vidisha से हमारी मांग है कि जल्द ही छात्रावासों का निरीक्षण कर जो छात्रों को मिलने वाली सुविधाओं से वंचित कर रहे है उन पर तत्काल कार्यवाही की जाए। भीम आर्मी छात्रावासों में हो रही अनिमियतता और धांधली को लेकर जल्द ही एक विशाल आंदोलन धरना प्रदर्शन करेंगी।

गब्बर सिंह-भीम आर्मी/आजाद समाज पार्टी म.प्र.

गोंडवाना साम्राज्य के राजा शंकर शाह एवं उनके पुत्र रघुनाथ शाह का बलिदान दिवस 18 सितम्बर 1858 पर विशेष

मूलचन्द मेधोनिया पत्रकार एवं पौता शहीद वीर मनीराम जी चीचली तहसील गाडरवारा जिला नरसिंहपुर मध्यप्रदेश

वह समय कैसा होगा जब अंग्रेजों द्वारा हमारे देश के राजा, महाराज और उनके सेनापति सहित महलों में सेवादारों पर भी जुल्म, ज्यदती अन्याय की पराकाष्ठ चरम पर थी। असहाय जनता को भी नहीं बख्शा जा रहा था।

सन 1857 में जबलपुर अंग्रेजी सेना में तैनात अंग्रेजों की 52 वीं रेजीमेंट का कमांडर क्लार्क यह इतना क्रूर था कि वह छोटे राजाओं, जमीदारों एवं जनता पर बहुत अन्याय व अत्याचार कर रहा था। उसका इतना बोलबाला था कि उसने जबलपुर को अंग्रेजों का मुख्य केन्द्रीय अड्डा बना लिया था। जो कि गुप्त जेल, गुप्त बंदी गृह और तरह तरह के अड्डे बना लिये थे, जहां पर उसके एक इशारे मात्र पर किसी की भी जान ले ली जाती थी। जिसके अत्याचार के खिलाफ गोंडवाना के राजा शंकर शाह ने उसका विरोध करने का निर्णय लिया। तथा अपनी सेना को सचेत किया कि अंग्रज कभी भी जनता पर हमला कर सकते है। किसी को डरने की आवश्यकता नहीं है, मैं सबसे पहले उनका मुकाबला करुंगा।

गोंड राजा हमेशा निर्भिक थे, मौका पाकर कमांडर क्लार्क ने उन्हें बंदी बना लिया। किसी भी तरह से गोंडवाना राजा शंकर शाह को अवसर ही नहीं दिया, उनकी गुप्त बंदी ग्रह पर राजा को चार दिन तक रखा गया। पुत्र रघुनाथ शाह को भी बंदी बना लिया गया। इस प्रकार राजा व उनके पुत्र दोनों को बंदी बना कर पूरे गोंडवाना साम्राज्य को हड़पने के लिए उन्होंने ऐसा काम किया कि किसी भी प्रकार से राजा अपना बड़ा फैसला न ले सकें।

अत- 18 सितम्बर में जबलपुर रेलवे स्टेशन के पास सार्वजनिक स्थान पर राजा व उनके पुत्र दोनों को अलग अलग तोप के मुंह पर बांध दिया। अंग्रेज कमांडर क्लार्क का संकेत मिलते ही तोपे दाग दी गई।

गोंडवाना राजा एवं युवराज दोनों देश के खातिर शहीद हो गयें। शहीद होने से पहले राजा शंकर शाह जी ने अपनी प्रजा को एक कविता भी सुनाई वह कवि ह्रदय सम्राट थे, गोंडवाना साम्राज्य के वह ऐसे शहीद शिरोमणि हुये की उनकी कुरबानी सदियों सदियों तक इतिहास के स्वर्ण अक्षरों में हमेशा याद रहेगी।

महान गोंडवाना साम्राज्य के राजाओं को शहीदी देने के बाद अंग्रेजों का मनोबल इतना बड़ गया था कि अब वह किसी भी गोंड राजा के राज पाट को कब्जा करने के लिए तत्पर रहने लगे। गढ़ मंडला के शासन को भी छीनते हुए। वह गोंडवाना की 52 गोंड राज्य किलों को बारी बारी से हथयाने लगें,

चौगान के गोंडवाना किलों को लूटा और राजा को धोके से हत्या कराई गई। चीचली के गोंड राजा जो 19 वीं सदी के महान गोंडवाना राजा थे। जहां के राजा विजय बहादुर शाह जी का लम्बी उम्र में निधन होने के बाद उनके युवराज नाबालिग थे। जो कि पढ़ाई के लिए बाहर गयें। बूढ़े राजा विजय बहादुर जी ने अपने बफादार सेवक जो उनके ही महल में रहते थे। उनके लिए ही गोंड महल की सुरक्षा की जबाबदारी दी थी। जो कि शूरवीर मनीराम अहिरवार संभाल रहे थे।

गोंड महल के राजा विहीन की सूचना मिलते ही अंग्रेजों की एक सेना महल को लूटने 23 अगस्त 1942 को दोपहर 12 बजे चीचली आ गई। जिनको महल की ओर आने से सेवादार मनीराम जी ने रोका न रुकने पर अंग्रेजों और शूरवीर मनीराम अहिरवार के बीच भीषण युद्ध हुआ। जिसमें मनीराम ने अग्रजों को लहूलुहान कर घायल अवस्था में चीचली गांव छोड़ने को विवश किया।

अंग्रेजों ने गोंडवाना साम्राज्य के राजाओं और उनके महलों को लूटा और गोंड राजाओं की जान तक ली। हमारे देश में अनुसूचित जाति और जनजाति के वीर सपूतों ने आजादी के आंदोलन में जो शहादत दी है। जिसको शब्दों में जितना भी किया जाये वह कम ही है। शासन को चाहिए कि इन वर्गो के शहीदों को भी सम्मान दिया जाये। जैसे कि गोंडवाना साम्राज्य के सेवादार मनीराम अहिरवार जी को आज तक किसी भी प्रकार का सम्मान नही दिया है। यह तो नाइंसाफी होती है कि देश की आजादी में अपनी जान न्योछावर करने वाले सभी महान क्रांतिकारियों को सम्मान दिया जाना अतिआवश्यक है। गोंडवाना साम्राज्य के महान शहीद शिरोमणि राजा शंकर शाह जी एवं रघुनाथ शाह जी के बलिदान दिवस पर उनके चरणों में कोटि कोटि वंदन व श्रद्धा सुमन अर्पित है।

आदमपुर छावनी में गणेश विसर्जन किया गया

ऋषिराज नरवरिया

भोपाल, आदमपुर छावनी पठार मे गणेश विसर्जन किया गया समस्त ग्रामीण वासी के द्वारा गणेश विसर्जन करने तालाब , नदियों मे छोटे छोटे गणेश लेकर विसर्जन करने पहुचे। हर साल गणेश चतुर्थी के अवसर पर भगवान गणेश के विसर्जन का आयोजन बड़े धूमधाम से करता है। यह त्योहार न केवल धार्मिक भावनाओं का उत्सव है, बल्कि यह समाज के विभिन्न वर्गों को एक साथ लाने का एक अवसर भी है।

विसर्जन की तैयारी

गणेश चतुर्थी के दौरान, भोपाल के विभिन्न मोहल्लों में भक्तजन अपने घरों में सुंदर और कलात्मक गणेश मूर्तियाँ स्थापित करते हैं। इस उत्सव की शुरुआत भव्य पूजा-अर्चना के साथ होती है, जिसमें भक्तजन आरती, भजन और प्रसाद का वितरण करते हैं। जैसे-जैसे विसर्जन का दिन नजदीक आता है, उत्सव की धूमधाम बढ़ती जाती है।

जुलूस और रंग-बिरंगी रैलियाँ

गणेश विसर्जन के दिन, शहर में भव्य जुलूस निकाले जाते हैं। लोग ढोल-नगाड़ों की ताल पर नृत्य करते हैं और भक्ति गीत गाते हैं। विभिन्न सामुदायिक समूह मिलकर रैलियाँ आयोजित करते हैं, जिसमें पारंपरिक नृत्य, संगीत और आतिशबाज़ी का आयोजन होता है। इस दौरान, शहर की सड़कें रंग-बिरंगी रोशनी और उत्सव के संगीत से गूंज उठती हैं।

पर्यावरण के प्रति जागरूकता

भोपाल में गणेश विसर्जन के समय पर्यावरण संरक्षण पर भी विशेष ध्यान दिया जाता है। कई लोग अब मिट्टी की गणेश मूर्तियाँ बनाते हैं, जो जल में विसर्जन के बाद पर्यावरण को नुकसान नहीं पहुँचातीं। इसके अलावा, शहर में विशेष विसर्जन स्थल बनाए गए हैं, ताकि जल स्रोतों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। इस पहल ने स्थानीय प्रशासन और नागरिकों के बीच एकजुटता को बढ़ावा दिया है।

आमंत्रण

स्वच्छता ही सेवा 2024
स्वभाव स्वच्छता - संस्कार स्वच्छता
तारीख- 20सितंबर 2024, शुक्रवार
स्थान- रवींद्र नाथ टैगोर वार्ड क्र 12 पानी टंकी पास
समय- सुबह 7:30 बजे से

20 सितंबर 2024 को रवींद्र नाथ टैगोर वार्ड क्र 12 पानी टंकी के आस पास स्वच्छता श्रमदान व आम नागरिकों जागरूक किया जायेगा इस महत्वपूर्ण आयोजन में सभी जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक, स्वच्छता एंबेसडर, सामाजिक संगठन, सादर आमंत्रित हैं।

आप सभी से विनम्र निवेदन है कि इस सफाई अभियान में भाग लें और समाज को स्वच्छ और स्वस्थ बनाने में अपना सहयोग दें।

सादर
आयुक्त
नगर पालिक निगम जगदलपुर

वन नेशन वन इलेक्शन, कितना संभव, कितना शिगूफा

20 सितंबर 2024, भावना मंगलमुखी, मुंबई

वन नेशन वन इलेक्शन यानि कि पूरे देश में कराए जाने वाले सभी (लोकसभा - राज्यसभा, विधानसभा/ विधान परिषद, जिला परिषद और स्थानीय निकायों - नगर निगम, नगरपालिका और ग्राम पंचायत) के चुनाव एक साथ या एक ही समयावधि में संपन्न हो। साथियों मैंने लोकसभा चुनाव से पूर्व भी इस बात की आशंका जताई थी कि अगर बीजेपी को 400 पार का बहुमत मिलेगा तो मोदीजी सबसे पहले वन नेशन, वन इलेक्शन पर जरूर विचार करेंगे और हालांकि भाजपा - आरएसएस के ऐसे कई एजेंडे रहे है जैसे एक देश एक धर्म, एक देश एक विचारधारा, एक देश एक पार्टी आदि लेकिन मेरा यह भी मत है कि यह विचार बीजेपी से भी ज्यादा मोदीजी का व्यक्तिगत है लेकिन अब बीजेपी का मतलब मोदीजी और मोदीजी का मतलब बीजेपी बन चुका है तो यह विचार मोदीजी का है या बीजेपी का है, इससे कोई फ़र्क नहीं पड़ता। हालांकि यह विचार एक अधिनायकवादी अवधारणा है और यह विचार हर एक तानाशाह का रहा है क्योंकि तानाशाहों को बारंबार चुनाव में बारंबार जनता के समक्ष जाने में डर लगता है क्योंकि तानाशाह बनने के पश्चात अपनी दमनकारी नीतियों की वजह से कोई इतना लोकप्रिय रह नहीं जाता इसलिए वे किसी भी तिकड़म या जुगाड से जैसे अथाह पैसों का प्रलोभन देकर और वोट खरीदकर, किसी समुदाय को धमकाकर मतदान से वंचित करके, ईडी - सीबीआई का दुरुपयोग करके, चुनाव आयोग के साथ सांठगांठ और ईवीएम में गड़बड़ी करके, गोदी मीडिया द्वारा फेक प्रोपेगेंडा या कोई अफवाह फैलाकर और कोई दंगा - फसाद करवाकर येनकेन प्रकारेन सत्ता पर काबिज़ होकर अगले पूरे पांच सालों तक मनमाना तरीके से देश के संसाधनों का दोहन और चहेते लोगों को लाभ पहुंचाकर जनता को बिलकुल लाचार बनाना चाहते हैं ताकि वे न सिर्फ़ सरकार की गलत नीतियों का कोई विरोध कर सके अपितु जिंदा रहने को ही विकास समझने लगे और फिर आर्थिक गुलाम की तरह सिर्फ़ पांच किलो राशन या 500 रू में सिलेंडर जैसी सरकारी लॉलीपॉप पर निर्भर हो जाए।

उक्त सभी बातों को मध्यनज़र रखते हुए ही 20द्दद्ध में पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंदजी की अध्यक्षता में एक आठ सदस्य कमेटी बनाई गई थी, जिसने इस संदर्भ में लगभग 60 से ज्यादा राजनैतिक दलों के साथ चर्चा कर अपनी रिपोर्ट तैयार की थी। हालांकि उनकी रिपोर्ट में ही 32 दलों की सहमति, 15 दलों की असहमति और 15 दलों की चुप्पी स्पष्ट थी। उसी रिपोर्ट के आधार पर 16 सितंबर 2024 को मोदीजी की केबिनेट ने वन नेशन वन इलेक्शन के प्रस्ताव को पारित करवाने का निर्णय लिया। अब यह बिल शीतकालीन सत्र में संसद में पेश किया जाएगा और इस बिल के लिए सभी दलों के साथ समन्वय बनाने हेतु राजनाथ सिंह, अर्जुन मेघवाल और किरण रिजिजु को जिम्मेदारी सौपे जाने से अब यकायक वन नेशन वन इलेक्शन का मुद्दा चर्चा का विषय बना हुआ है।

हालांकि हर एक विचार या आइडिया के कुछ फायदे भी होते है तो कुछ नुकसान भी होते है इसलिए मैं इसके पक्ष और विपक्ष में कुछ तर्क आपके समक्ष रख रही हूं -

वन नेशन वन इलेक्शन के लाभ

* वन नेशन वन इलेक्शन के पक्ष में सबसे बड़ा तर्क यही दिया जाता है कि बारंबार होने वाले चुनावों की वजह से बारंबार चुनाव प्रक्रिया संपन्न करने में बहुत खर्च आता है इसलिए वन नेशन वन इलेक्शन से इस चुनावी खर्च को कम किया जा सकता है।
* चूंकि प्रत्येक चुनाव के दौरान आचार संहिता लग जाती है इसलिए किसी एक राज्य में चुनाव और आचार संहिता की वजह से भी केंद्र सरकार नई - नई जनहितकारी योजनाओं को समय पर लागू नहीं कर पाती और उनमें विलंब हो जाता है।
* चूंकि चुनावी प्रक्रिया में और इसकी पूर्व तैयारी जैसे मतदान सूची में नाम जोड़ने - हटाने या सुधार करने में अधिकांश सरकारी शिक्षकों की सहायता ली जाती है इसलिए अगर सारें चुनाव एक साथ या एक ही समयावधि में संपन्न हो जाते हैं तो लगभग अगले साढ़े चार साल तक सरकारी शिक्षकों को चुनावी कार्यों और अतिरिक्त श्रम से राहत मिल सकती है।
* चूंकि चुनावों के दौरान अतिरिक्त सुरक्षा व्यवस्था का इंतजाम करना पड़ता है इसलिए वन नेशन वन इलेक्शन से सुरक्षा कर्मियों की बार - बार अलग - अलग राज्यों की भागदौड़ भी कम यानि सिर्फ़ पांच साल में एक बार होगी।
* एक कहावत है - ÷सीमा पर तनाव है, क्या देश में चुनाव है ?÷ इसलिए मेरा मानना है कि अगर पूरे देश में सारें चुनाव यदि एक साथ संपन्न हो जाते हैं तो चुनाव जीतने के लिए पैदा किए गए तनाव पांच सालों में सिर्फ़ एक ही बार देखने को मिलेंगे, जो कि एक शुभ संकेत है।
* नेताओं के नजरिए से अब उन्हें बारंबार चुनावी चंदे हेतु पूंजीपतियों के समक्ष हाथ फैलाना नहीं पड़ेगा क्योंकि अगले पांच साल तक रिटर्न गारंटी के भरोसे एक ही बार में मोटा चंदा मिल जाएगा।
* चुनाव आयोग के नजरिए से उसे भी लंबा अवकाश व आराम मिलता रहेगा।
* प्रवासी मतदाताओं को मतदान हेतु बार - बार अपना नौकरी - व्यवसाय से छुट्टी लेकर गांव आना नहीं पड़ेगा। इससे उनमें मतदान की गंभीरता व उत्साह बढ़ेगा।

वन नेशन वन इलेक्शन की समस्याएं

* वन नेशन वन इलेक्शन के विरोध में सबसे मजबूत तर्क यही दिया जाता है कि पूरे देश में एक साथ चुनाव करवा पाना व्यावहारिक ही नहीं है क्योंकि हमारे देश में अलग - अलग क्षेत्रों के अनुसार मौसम से लेकर हर महीने आने वाले त्योहार इसमें सबसे बड़ी बाधा है।
* वन नेशन वन इलेक्शन में अगर सत्तारूढ़ पार्टी चुनाव आयोग के साथ कोई सांठगांठ या ईडी - सीबीआई के सहयोग से एक साथ सभी राज्यों में काबिज हो जाए और विपक्षी दलों के पास एक भी राज्य नहीं रहे तो वे सभी दल आर्थिक रूप से कमजोर हो सकते हैं और हमेशा के लिए एक पार्टी और एक नेता का राज कायम हो सकता है।
* जरूरी नहीं कि हर बार सिर्फ़ सांठगांठ ही हो, कभी - कभी पूरे देश के सारें चुनावों को जीतने के लिए पुलवामा जैसा हमला करवाकर और सर्जिकल स्ट्राइक का भावनात्मक सहारा लेने का कुत्सित प्रयास भी किया जा सकता है क्योंकि सिर्फ़ एक षड्यंत्र ही सभी चुनाव जीतकर पूरे पांच साल के लिए पूरे देश में एकछत्र राज की गारंटी हो सकता है। वहीं ऐसी कुत्सित सोच वाली पार्टियों के लिए ऐसे षड्यंत्रों को प्रतिवर्ष बार - बार होने वाले चुनावों में बार - बार दोहराना थोड़ा मुश्किल होता है।
* उपरोक्त तर्क के आधार पर ही यदि सारें क्षेत्रीय या स्थानीय मुद्दें गौण हो जाए तो छोटे - छोटे क्षेत्रीय दलों और निर्दलीय उम्मीदवारों का अस्तित्व भी संकट में पड़ सकता है।
* चूंकि वर्तमान में भारत के चार राज्यों आंध्र प्रदेश, उड़ीसा, सिक्किम और अरुणाचल प्रदेश को छोड़कर शेष सभी राज्यों में विधानसभा चुनावों का समय लोकसभा चुनाव के समय से अलग है इसलिए सभी राज्यों के चुनावों को लोकसभा चुनाव के साथ करवाने के लिए अधिकांश राज्यों की विधानसभाओं का कार्यकाल घटाना - बढ़ाना पड़ेगा जिसकी संविधान की वर्तमान व्यवस्था अनुमति नहीं देती है।
* वन नेशन वन इलेक्शन के लिए चुनाव प्रणाली के संवैधानिक प्रावधानों में भी संशोधन करना पड़ेगा, जिसके लिए संसद के दो तिहाई बहुमत और लगभग आधे राज्यों की विधायिकाओं से प्रस्ताव पारित करवाना पड़ेगा। इसके लिए सभी राज्य सरकारों को मनाना और राज़ी करना भी एक टेढ़ी खीर साबित हो सकती है।
* एक बार सभी राज्यों के चुनावों को लोकसभा चुनावों के साथ करवा भी दिया जाए तो अगर किसी राज्य में पूर्ण बहुमत न आए या मध्यावधि में ही सरकार गिर जाए तो उसे भी क्या अगले लोकसभा चुनाव का इंतजार तक राष्ट्रपति शासन थोप दिया जाएगाया अगर मध्यावधि चुनाव सिर्फ़ सीमित समय के लिए करवाएंगे यानि पांच साल में ही दो बार चुनाव करवाने से खर्च कम करने की बात तो हवाहवाई हो जाएगी।
* 1952 से 1967 तक जब तक एकछत्र शासन रहा तब तक केंद्र और राज्यों के चुनाव साथ - साथ होते रहे थे लेकिन क्षेत्रीय पार्टियों के उद्भव और गठबंधन सरकारों की अनिश्चितता ने इनकी कदम ताल को आगे - पीछे कर दिया था इसलिए हम सभी चुनाव एक साथ करवा भी दे तो भी आज की बहुदलीय व्यवस्था और गठबंधन के दौर में कुछ समय पश्चात उनमें स्थितियां बदलनी निश्चित है।
* वन नेशन वन इलेक्शन सिर्फ़ उन्हीं देशों में सफल हो सकता है, जो क्षेत्रफल की दृष्टि से छोटे हो और सांस्कृतिक - राजनीतिक विविधताएं कम हो।
* मतदाताओं के नजरिए से बार - बार चुनाव होने से उन्हें अपने नेताओं से मिलने, सेल्फी लेने और अपनी समस्याओं को सुनाने का भी मौका मिलता है। चुनाव के बहाने मतदाताओं को चुनावी रेवड़ियों का भी लाभ मिलता है।
* देश में अलग - अलग राज्यों के चुनाव अलग - अलग समय होने से चुनाव आयोग सीमित ईवीएम मशीनों का बारी - बारी से उपयोग कर पाता है लेकिन सभी राज्यों के चुनावों लोकसभा चुनाव के साथ करवाने पर हमें दुगुनी ईवीएम लगेगी, जो अभी हमारे पास नहीं है यानि खरीदनी या बनानी पड़ेगी जिससे सरकार का त्वरित खर्च बढ़ेगा और ये अगले पांच साल तक उपयोग में न आने से खराब भी हो सकती है।
* सबसे बड़ा खतरा मीडिया, सर्वे एजेंसियों और चुनाव आयोग में कार्यरत अधिकांश कर्मचारियों, सुरक्षाकर्मियों को मौसमी बेरोजगारी का सामना करना पड़ सकता है यानि चुनाव पूर्व अस्थाई नियुक्ति और चुनाव होते ही वे मात्र चार - छह माह सेवा देने वाले अग्निवीर भी बन सकते है।

उपरोक्त तमाम पक्ष - विपक्ष के तर्कों के आधार पर मुझे 16 सितंबर 2024 को केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा प्रस्तावित वन नेशन वन इलेक्शन का यह बिल काफ़ी अव्यवहारिक व पेचिदा लगता है। साथ ही चूंकि भारत लोकतंत्र की जननी रही है और हम चुनावों को भी अपना पर्व मानते हैं इसलिए भले थोड़ा सा हम खर्च और श्रम साधना सहकर भी ऐसे त्योहारों को दुर्लभ बनने से रोके। मुझे लगता है कि मोदीजी भी समझते है कि वन नेशन वन इलेक्शन का यह प्रस्ताव भी उनके लिए एक यू - टर्न साबित होगा लेकिन इसी सप्ताह ही एनडीए सरकार के दो प्रमुख सहयोगी नीतीश कुमार और चंद्रबाबू नायडू द्वारा जातिगत जनगणना की मांग के समर्थन को भटकाने के लिए कोई नया शिगूफा छोड़ना मोदीजी की एक मजबूरी या रणनीति ही रही हो।

प्रिय पारी नरवरिया

आपके जन्मदिन पर ढेर सारी शुभकामनाएँ! आपके जीवन में खुशियों की बहार, सफलता के नए अध्याय, और हर दिन नई उमंगों से भरा हो। भगवान आपके सभी सपनों को पूरा करें। इस खास दिन का पूरा आनंद लें!

शुभ जन्मदिन! मम्मी - पापा

आजादी की सच्ची गौरवगाथा को शैक्षणिक पाठ्यक्रम में शामिल किया जायेगा : मंत्री डॉ. कुंवर विजय शाह

जनजातीय कार्य मंत्री डॉ. शाह ने राजा शंकरशाह एवं कुंवर रघुनाथशाह के बलिदान दिवस पर अर्पित किये श्रद्धासुमन

भोपाल। जनजातीय कार्य, लोक परिसम्पत्ति प्रबंधन तथा भोपाल गैस त्रासदी राहत एवं पुनर्वास मंत्री डा. कुंवर विजय शाह बुधवार को जबलपुर पहुंचे। मंत्री डॉ. शाह ने अमर शहीद राजा शंकरशाह एवं कुंवर रघुनाथ शाह के बलिदान दिवस पर जबलपुर रेल्वे स्टेशन के समीप स्थित उनकी प्रतिमा पर श्रद्धासुमन अर्पित किये। इस दौरान उन्होंने कहा कि आज भारत के स्वतंत्रता संग्राम में अपने पूर्वजों के बलिदान को याद करने का दिन है। जिन्होंने अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ संघर्ष करते हुए अपना सर्वस्व न्यौछावर कर दिया। अंग्रेजो ने उनकी स्वतंत्रता गतिविधियों को देखते हुए आज ही के दिन 18 सितम्बर को एल्गिन हॉस्पिटल के सामने तोप के मुंह में बांधकर उड़ा दिया था। स्वतंत्रता के लिए हज़ारों देशप्रेमियों ने अपना बलिदान दिया। उनकी गाथाओं को आने वाली पीढ़ी याद रखे, इसके लिए अमर शहीदों की गाथा को शैक्षणिक पाठ्यक्रम में शामिल किया जायेगा। आजादी की गौरवगाथा का सच्चा इतिहास लोगों के सामने आना ही चाहिये। मंत्री डा. शाह ने कहा कि राजा शंकरशाह और रघुनाथशाह के जीवन पर आधारित फिल्म लोगों को दिखाई जाये। मकड़ाई रानी दुर्गावती के 52 गढ़ों में से एक था और वे स्वंय को रानी दुर्गावती के वंशज मानते हैं। साथ ही कहा कि वह घटना बहुत ही हृदय विदारक था, जब राजा शंकरशाह व रघुनाथशाह को तोप के मुंह में बांधकर उड़ा दिया गया था। ऐसे महावीर शहीदों के बलिदान को समाज एकजुट होकर मनायें। उन्होंने कहा कि सरकार गढ़ा में गोंडवाना साम्राज्य के स्मृतियों का विकास करेगी। राजा शंकर शाह व रघुनाथ शाह के संग्रहालय में 10 करोड़ रुपए की लागत से

500 सीटर वातानुकूलित ऑडिटोरियम भी बनाया जायेगा। मंत्री श्री शाह ने एल्गिन हॉस्पिटल के सामने पुराने डीएफओ ऑफिस में जहां राजा शंकरशाह व रघुनाथशाह को बंदी बनाया गया था, उस स्थल का भी निरीक्षण किया और वहां भी श्रद्धासुमन अर्पित किये। इस अवसर पर गढ़ा गोंडवाना के संरक्षक श्री किशोरीलाल भलावी, पूर्व विधायक श्री नन्हेलाल धुर्वे, श्री नेमसिंह मरकाम, श्री गया धुर्वे, श्री राजेन्द्र चौधरी, कलेक्टर श्री दीपक सक्सेना सहित बड़ी संख्या में नागरिकगण मौजूद थे।

पीएमटी हॉस्टल पहुंचकर विद्यार्थियों से किया आत्मीय संवाद: जनजातीय कार्य मंत्री डॉ. शाह ने जबलपुर के पीएमटी हॉस्टल आधारताल पहुंचकर अध्ययनरत छात्रावासी विद्यार्थियों से आत्मीय संवाद किया। उन्होंने विद्यार्थियों से उनकी पढ़ाई-लिखाई और सुविधाओं की जानकारी लेकर कहा कि सब मन लगाकर पढ़ाई करें और अपना उज्जवल भविष्य बनायें। इसके लिए राज्य सरकार सदैव उनके साथ है। उन्होंने कहा कि छात्रावासी बच्चों को कैरियर गाइडेंस व प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए समय-समय पर मार्गदर्शन क्लास भी आयोजित की जायें। मंत्री डा. शाह ने विभागीय अधिकारियों से कहा कि वे जिले के सभी छात्रावासों में विद्यार्थियों से जुड़ी योजनाओं को दीवार में लिखवायें। जनजातीय कार्य विभाग द्वारा विद्यार्थियों के कल्याण के लिए बहुत सी योजनायें संचालित की जा रही हैं।

प्रौद्योगिकी संस्थानों को विश्वस्तरीय बनाने के लिए सभी मिलकर कार्य करें

तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में देश विश्वभर में अग्रणी बने: राष्ट्रपति

जयपुर,

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने कहा है कि तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में देश विश्वभर में अग्रणी बने। इसके लिए प्रौद्योगिकी संस्थानों को विश्वस्तरीय बनाने के लिए सभी मिलकर कार्य करें। उन्होंने राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षण संस्थाओं को शोध अनुसंधान में मौलिक दृष्टि के साथ कार्य करने, पर्यावरण अनुकूल तकनीक अपनाने और विकसित भारत की संकल्पना के लिए प्रतिबद्ध होकर कार्य करने का आह्वान किया।

राष्ट्रपति मुर्मु बुधवार को एमएनआईटी के 18वें दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रही थीं। उन्होंने इस समारोह में 20 में से 12 स्वर्ण पदक छात्राओं को मिलने पर प्रसन्नता जताई और कहा कि लड़कियां आगे बढ़ती हैं तो देश तेजी से विकास पथ पर आगे बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि शोध अनुसंधान में भी छात्राएं आगे रहती हैं तो इससे देश वैश्विक स्तर पर अग्रणी रहेगा। उन्होंने संस्थान की फैकल्टी में एक तिहाई महिलाएं होने को भी महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि देश के प्रौद्योगिकी संस्थानों को इसीलिए नेशनल इंस्टीट्यूट के रूप में राष्ट्रीय महत्व के संस्थान का दर्जा दिया गया है कि इनके जरिए भारत तेजी से विकास पथ पर आगे बढ़े।

उन्होंने समारोह में 79 छात्रों को पीएचडी की उपाधि और 805 स्नातक एवं 477 स्नातकोत्तर के छात्रों को डिग्री प्रदान की। उन्होंने 20 स्वर्ण पदक भी प्रदान किए। उन्होंने अरावली छात्रावास का लोकार्पण भी किया। उन्होंने कहा कि रिसर्च और डवलपमेंट के क्षेत्र में महिलाओं की अधिक भागीदारी न केवल देश के सामाजिक और आर्थिक विकास के लिए महत्वपूर्ण है बल्कि हमारी बेटियों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार के लिए भी आवश्यक है। हाल के वर्षों में लड़कियों के नामांकन में वृद्धि हुई है। यह भी एक सराहनीय तथ्य है कि एमएनआईटी की फैकल्टी में लगभग एक-तिहाई महिलाएं हैं। विश्वास है कि आने वाले वर्षों में यह अनुपात और भी बेहतर होगा। चौथी औद्योगिक क्रांति के इस दौर में चुनौतियों के साथ नए-नए अवसर भी आ रहे हैं। इन अवसरों का लाभ उठा कर भारत को टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में अग्रणी राष्ट्र बनाने में हमारे तकनीकी संस्थानों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है।

उन्होंने कहा कि आपके संस्थान का ध्येय वाक्य है "योगः कर्मसु कौशलम्"। इसका मतलब है कर्म की कुशलता ही योग है। भगवद्गीता का यह उपदेश आपको प्रेरित करता है कि आप जो भी कार्य करें पूरी दक्षता और निष्ठा से करें। मेरा मानना है कि आपकी महत्वकांक्षाएं राष्ट्र की अपेक्षाओं के अनुरूप होनी चाहिए। आपके कर्मयोगी भाव से समाज और राष्ट्र की प्रगति का मार्ग प्रशस्त होना चाहिए।

चीन में भी बढ़ रही है बौद्ध धर्म को मानने वालों की संख्या: लामा

धर्मशाला,

तिब्बती धर्मगुरु दलाई लामा की लंबी उम्र के लिए बुधवार को मैक्लोडगंज स्थित मुख्य बौद्ध मठ चुगलाखंग में प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया जिसमें धर्मगुरु खुद भी मौजूद रहे। तिब्बती वुमेन संगठन तथा डलहौजी और लहासा स्कूलों के पूर्व स्कूली छात्रों द्वारा इस प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया। इस दौरान धर्मगुरु दलाई लामा की लंबी आयु और उनके स्वस्थ जीवन को लेकर चुगलाखंग बौद्ध मठ में प्रार्थना की गई।

इस मौके पर धर्मगुरु दलाई लामा ने कहा कि चीन में भी बौद्ध धर्म को मानने वालों की संख्या बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि वह चीन के लोगों के हितों के लिए भी कार्य करेंगे जैसा कि तिब्बत के लोगों के लिए करता आया हूं। दलाई लामा ने कहा कि मेरा पूरा जीवन तिब्बत के हक और तिब्बतियों के हितों के लिए समर्पित है। तिब्बत में भले ही आज कठिन समय है लेकिन उन्हें उम्मीद है कि उनकी इस कोशिश से एक दिन चीन में भी परिवर्तन देखने को मिलेगा।

दलाई लामा ने कहा तिब्बत के लोगों ने अच्छा काम किया है। कर्म और प्रार्थनाओं के माध्यम से आने वाला समय और बेहतर होगा। नालंदा परम्परा के मुताबिक तिब्बत के लोग धर्म के क्षेत्र में कार्य करते रहेंगे। उन्होंने उन सभी संस्थाओं का आभार जताया जिन्होंने उनकी लंबी आयु के लिए इस प्रार्थना सभा का आयोजन किया।

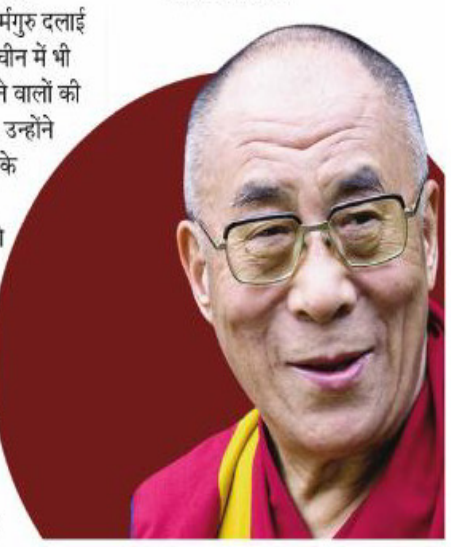

रांची से दिल्ली जाने वाली कई एक्सप्रेस ट्रेनें रद्द

रांची,

जाड़े में अक्सर कोहरे के कारण कोई न कोई ट्रेन अक्सर रद्द हो जाती है या फिर देर से चलती है। इस संबंध में रांची रेल मंडल के डीसीएम ने बुधवार को बताया कि ठंड के मौसम में अक्सर कोहरे के कारण ट्रेनों के परिचालन में दिक्कतें आती हैं, जिसे देखते हुए रांची रेल मंडल से चलने वाली कई ट्रेनें रद्द रहेंगी, जिसमें खास तौर से हटिया-आनंद विहार टर्मिनल एक्सप्रेस शामिल हैं। अभी फिलहाल इसी ट्रेन को रद्द रखने का फैसला लिया गया है।

ट्रेन संख्या 12873 हटिया-आनंदविहर टर्मिनल (त्रि-साप्ताहिक) ट्रेन 02 दिसंबर से 09 जनवरी, 2025 तक हटिया से रद्द रहेगी। वहीं, ट्रेन संख्या 12874 आनंदविहर टर्मिनल-हटिया (त्रि साप्ताहिक) ट्रेन 03 दिसंबर से 10 जनवरी, 2025 तक आनंदविहार से रद्द रहेगी।

कांग्रेस ने कुमारी शैलजा का कभी सम्मान नही किया: आकाश आनंद

यमुनानगर,

बयान

- **यमुनानगर: कांग्रेस और भाजपा ने आरक्षण खत्म करने का काम किया है: आकाश आनंद**
- **बसपा-इनेलो गठबंधन की जनसभा में जगाधरी पहुंचे आकाश आनंद**

बहुजन समाज पार्टी के राष्ट्रीय कोर्डिनेटर आकाश आनंद ने कहा कि भाजपा ने अपने राज्य में 5000 प्राइमरी स्कूलों को बंद करने का काम किया है। उन्होंने कहा कि भाजपा वाले हमारे बच्चों के प्राथमिक स्कूल बंद कर रहे हैं। स्कूल में अध्यापक नहीं है। उन्होंने कहा कि 2017 से अनुसूचित जाति व जनजाति की स्कॉलरशिप का पैसा भी बच्चों को नहीं दिया। स्कॉलरशिप का पैसा रोका जा रहा है। उन्होंने कहा कि यह खिलवाड़ नहीं दोहराने देंगे और इन्हें वापस घर भेजने का काम करेंगे।

बुधवार को बसपा- इनेलो की एक संयुक्त जनसभा जगाधरी हलके के गुप्ता पैलेस में आयोजित हुई। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में बहुजन समाज पार्टी के राष्ट्रीय कोऑर्डिनेटर आकाश आनंद पहुंचे। इस दौरान उनके साथ केंद्रीय प्रभारी रंजीत बेनीवाल, प्रदेश सचिव विशाल गुर्जर, महासचिव सहीराम भी पहुंचे।

आकाश आनंद ने अपने संबोधन में कहा कि प्रदेश में सामाजिक परिवर्तन बहुत जरूरी है। उन्होंने कहा कि कुछ लोग अफवाह फैला रहे हैं कि यह दलितों की पार्टी है। बहुजन समाज पार्टी केवल दलितों की नहीं, बल्कि सर्व समाज की पार्टी है। उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री बहन कुमारी मायावती ने उत्तर प्रदेश में चार बार सरकार बनाई। उन्होंने जब भी काम किया सर्व समाज के लिए काम किया है। जगाधरी से बसपा प्रत्याशी दर्शन लाल खेड़ा भी सर्व समाज के लिए काम करेंगे। उन्होंने कहा कि जो लोग सत्ता में बैठे हैं वह दबे लोगों को और दबा रहे है।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस व भाजपा आरक्षण को खत्म करने का काम कर रही है। ऐसे लोग संविधान को लेकर गुमराह करने का काम कर रहे हैं। यह लोग आरक्षण खत्म करने का काम कर रहे हैं। ऐसे धोखेबाज को सत्ता में दोबारा से आने के लिए कभी वोट नहीं देंगे। हमें बसपा-इनेलो गठबंधन की सरकार बनाकर इनको बता देना है कौन उनके विरोधी है।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस बार-बार कहती है कि जवाहर लाल नेहरू ने भी आरक्षण देने का काम किया है, लेकिन वे यहां लोगों को बरगलाने का काम कर रहे हैं। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने बाबासाहेब के संघर्ष को अनदेखा किया है वह कांग्रेस के चाटुकार हैं। कांग्रेस बाबासाहेब की विरोधी है और दलित विरोधी है। और वें हमेशा इसका विरोधी रहेंगे।

शुभारंभ | मुख्यमंत्री ने क्षय रोग उन्मूलन की राष्ट्रीय टास्क फोर्स की दो दिवसीय बैठक का किया शुभारम्भ

सरकार टीवी उन्मूलन को दे रही हर संभव सहायता: सीएम

- **स्वास्थ्य सेवाओं को और बेहतर बनाने के लिए स्वास्थ्य विभाग में विभिन्न श्रेणियों के 2,700 पदों को भरने की प्रक्रिया जारी**

शिमला,

मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने बुधवार को यहां राष्ट्रीय क्षय रोग उन्मूलन कार्यक्रम के तहत राष्ट्रीय टास्क फोर्स की दो दिवसीय बैठक का शुभारम्भ किया। इस बैठक में देशभर के क्षय रोग विशेषज्ञ भाग ले रहे हैं। हिमाचल प्रदेश दूसरी बार इस महत्वपूर्ण बैठक की मेजबानी कर रहा है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने 'मेरी टीबी की कहानी चरण-2' पहल का भी शुभारंभ किया। इसका उद्देश्य टीबी से जुड़ी भ्रांतियों को दूर करना और इस बीमारी के बारे में लोगों में जागरुकता पैदा करना है। इस अभियान के दूसरे चरण का शुभारंभ करने वाला हिमाचल देश का पहला राज्य है।

इस मौके पर हिमाचल प्रदेश में क्षय रोग विशेषज्ञों का स्वागत करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि बैठक के दौरान जो मूल्यवान जानकारी और सुझाव प्राप्त होंगे, वो इस खतरनाक बीमारी से निपटने में सहायक सिद्ध होंगे। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार टीबी उन्मूलन के लिए हरसंभव सहायता दे रही है और राज्य में हर वर्ष लगभग 15 हजार टीबी मरीजों का उपचार किया जा रहा है। इस बीमारी से निपटने में किए गए प्रदेश के प्रयासों को राष्ट्रीय स्तर पर भी सराहा गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि टीबी के मरीजों की सुविधा के लिए पिछले दो वर्षों में प्रारम्भिक स्तर पर ही टीबी का पता लगाने के लिए राज्य में मॉलीक्यूलर परीक्षण सुविधाएं शुरू की गई हैं और पांच जिलों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से लैस पोर्टेबल एक्स-रे मशीनें उपलब्ध करवाई गई हैं। शीघ्र ही इस सेवा का विस्तार शेष जिलों में भी किया जाएगा। इस बीमारी से ग्रसित मरीजों के लिए हिमाचल प्रदेश की अनुकूल जलवायु के महत्व के बारे में बताते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार हिमाचल के शुद्ध वातावरण को ध्यान में रखते हुए प्रदेश में स्वास्थ्य पर्यटन को बढ़ावा देने की दिशा में कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री ने बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने के लिए आधुनिक तकनीकें अपनाने की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि राज्य सरकार ने नवीनतम चिकित्सा उपकरणों के लिए एम्स दिल्ली के साथ एक समझौता ज्ञापन हस्ताक्षरित किया है। टांडा चिकित्सा महाविद्यालय और आईजीएमसी, शिमला में स्वास्थ्य सुविधाओं का सुदृढ़ीकरण किया जा रहा है तथा डॉक्टरों, नर्सों और पैरामेडिकल स्टाफ की कार्यप्रणाली में सुगमता लाने के लिए अस्पताल में अनुकूल वातावरण बनाने के प्रयास भी किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं को और बेहतर बनाने के लिए स्वास्थ्य विभाग में विभिन्न श्रेणियों के 2,700 पदों को भरने की प्रक्रिया जारी है।

कांग्रेस हमेशा आतंकवादियों की पक्षधर रही: शिक्षा मंत्री

जोधपुर,

जिला प्रभारी मंत्री व शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने एक बार फिर महाराणा प्रताप व अकबर का जिक्र करते हुए कांग्रेस पर निशाना साधा है। दिलावर ने कहा कि कांग्रेस हमेशा आतंकियों के पक्षधर रही है। बाटला हाउस एनकाउंटर के समय सोनिया गांधी फूट-फूट कर रोई, यह बात खुद राहुल गांधी ने कही है। यह बात उन्होंने एयरपोर्ट पर जोधपुर से लौटते समय मीडिया से बातचीत के दौरान कही।

उन्होंने कहा कि महाराणा प्रताप व अकबर की तुलना नहीं की जा सकती क्योंकि अकबर आतंकवादी, अक्रांत व देशद्रोही था। इतिहास को बदला नहीं जा सकता। उन्होंने कांग्रेस पर आरोप लगाते हुए कहा कि कांग्रेस हमेशा से आतंकवादियों की पक्षधर रही है। आतंकवादियों के नाम भी सम्मानजनक तरीके से लेते है।उन्होंने राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि उन्होंने अमेरिका में कहा था कि वह ताकत में आएंगे तो आरक्षण खत्म कर देंगे यानि एससी, एसटी, ओबीसी व दस प्रतिशत जो जनरल है वह उन सबके खिलाफ है।

पेट्रोल-डीजल की कीमतों में कटौती को लेकर आ गई बड़ी खबर

बिजनेस डेस्क: कच्चे तेल की अंतरराष्ट्रीय कीमतों में लगातार उतार-चढ़ाव के बावजूद भारत में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई कमी नहीं हो रही है, जबकि लागत घटने के संकेत मिल रहे हैं। पेट्रोलियम मंत्रालय के एक अधिकारी के अनुसार, कीमतों में कटौती को लेकर अभी कुछ भी कहना संभव नहीं है, खासकर महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव से पहले। पिछले सप्ताह वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड की कीमत 70 डॉलर प्रति बैरल से नीचे चली गई थी, जो दिसंबर 2021 के बाद का सबसे निचला स्तर था। हालांकि इसके बाद कीमतें फिर से बढ़कर बृहस्पतिवार को 74.58 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गईं।

दो वर्षों से नहीं हुआ कीमतों में बदलाव

कच्चे तेल की कीमतें गिरने से पेट्रोल-डीजल की कीमतों में कमी की उम्मीदें जागती हैं लेकिन पिछले दो वर्षों से इन कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। पेट्रोलियम मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी का कहना है कि कच्चे तेल के उतार-चढ़ाव की स्थिति बनी रहने तक सार्वजनिक क्षेत्र की पेट्रोलियम कंपनियों द्वारा कीमतों में संशोधन की संभावना कम है।

स्थिर कीमतों के पीछे कारण

सार्वजनिक क्षेत्र की तेल कंपनियां जैसे इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन, भारत पेट्रोलियम (BPCL), और हिंदुस्तान पेट्रोलियम 2021 के बाद से कीमतों को स्थिर रखे हुए हैं। हालांकि इन कंपनियों को पेट्रोल-डीजल पर अच्छा मुनाफा हो रहा है, वे कीमतों में सुधार की प्रवृत्ति की पुष्टि करने से पहले किसी कटौती पर निर्णय नहीं ले रही हैं।

RBI की सख्ती के बाद गोल्ड लोन में 30% उछाल, असुरक्षित कर्ज की मांग घटी

बिजनेस डेस्क: क्रेडिट कार्ड और असुरक्षित कर्ज पर आरबीआई की सख्ती का असर दिखने लगा है। इस साल जून तक बैंकों से लिए गए गोल्ड लोन में 30त्न की बढ़ोतरी हुई, जबकि असुरक्षित पर्सनल लोन की ग्रोथ सिर्फ 15त्न रही। नतीजतन, कुल पर्सनल लोन में गोल्ड लोन की हिस्सेदारी 20 महीनों के उच्चतम स्तर 2.3त्न तक पहुंच गई।

गोल्ड लोन की मांग में इजाफा

2021 में गोल्ड लोन में 81.6त्न की सबसे बड़ी वृद्धि देखी गई थी, जब कोविड के कारण लोगों ने सोना गिरवी रखकर कर्ज लिया था। जून 2023 तक, बैंकों से लिए गए गोल्ड लोन की कुल बकाया राशि 1.24 लाख करोड़ रुपए हो गई। रिजर्व बैंक के अनुसार, 2023-24 में संस्थागत गोल्ड लोन का कुल मार्केट 7.1 लाख करोड़ रुपए का हो गया। क्क2ष्ट इंडिया की रिपोर्ट के अनुसार अगले पांच वर्षों में गोल्ड लोन मार्केट दोगुना होकर 14.19 लाख करोड़ रुपए तक पहुंच सकता है।

गोल्ड लोन बना सस्ता कर्ज विकल्प

गोल्ड लोन की ब्याज दरें पर्सनल लोन की तुलना में काफी कम हैं। जहां गोल्ड लोन की ब्याज दरें 8.50त्न से शुरू होकर अधिकतम 17.90त्न तक जाती हैं, वहीं पर्सनल लोन की दरें 9.99त्न से शुरू होकर 44त्न तक पहुंच सकती हैं। गोल्ड लोन एक सिक्योर्ड लोन है, जबकि पर्सनल लोन असुरक्षित होते हैं, जिसके कारण ब्याज दरों में यह बड़ा अंतर है।

आरबीआई की सख्ती का असर

इंडेल मनी के सीईओ उमेश मोहनन के अनुसार, आरबीआई द्वारा असुरक्षित कर्ज की शर्तें कड़ी किए जाने के बाद बैंक और एनबीएफसी गोल्ड लोन जैसे सुरक्षित उत्पादों पर फोकस कर रहे हैं। इसके साथ ही, गोल्ड लोन कंपनियां आक्रामक मार्केटिंग भी कर रही हैं।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा-

Banking Sector निभाएगा अहम भूमिका

बिजनेस डेस्क: केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण (Nirmala Sitharaman) ने कहा है कि वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लक्ष्य में बैंकिंग क्षेत्र की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। उन्होंने गुरुवार को बैंक ऑफ महाराष्ट्र (Bank Of Maharashtra) के 90वें स्थापना दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में कहा, प्रधानमंत्री के विजन को पूरा करने में बैंकों की भूमिका बेहद अहम है। सीतारमण ने बैंकों को बुनियादी ढांचा विकास, एमएसएमई क्षेत्र को वित्तीय सहायता, बैंकिंग सेवाओं से वंचित लोगों तक सेवाएं पहुंचाने और बीमा कवरेज बढ़ाने की दिशा में काम करने की जरूरत बताई।

प्रौद्योगिकी के प्रति जागरूकता और सुरक्षा

वित्त मंत्री ने बताया कि प्रौद्योगिकी के जरिए बैंकिंग परिदृश्य में बड़ा बदलाव आ रहा है, लेकिन साथ ही बैंकों को साइबर सुरक्षा को लेकर सतर्क रहने की आवश्यकता है। उन्होंने बैंकों से सुरक्षित और भरोसेमंद डिजिटल बैंकिंग प्रणाली विकसित करने पर जोर दिया। सीतारमण ने डिजिटल भुगतान के क्षेत्र में भारत की अग्रणी स्थिति की सराहना की खासतौर से यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (क्कढ्ढ) की बढ़ती लोकप्रियता पर। उन्होंने कहा कि वैश्विक स्तर पर तत्काल डिजिटल भुगतानों में से 45त्न भारत में होते हैं। वर्तमान में यूपीआई प्रणाली सात देशों में चालू है, जो भारत की तकनीकी प्रगति और वैश्विक नेतृत्व को दर्शाता है।

भारत जैसे बाजारों पर प्रभाव को लेकर विशेषज्ञों की राय अलग-अलग

बिजनेस डेस्क: अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व द्वारा नीतिगत दर में 0.50 प्रतिशत की कटौती की घोषणा के बाद विशेषज्ञों की मिली-जुली प्रतिक्रियाएं सामने आई हैं। कुछ विशेषज्ञों का मानना ??है कि कम ब्याज दर पर वित्तपोषण से निवेश प्रवाह बढ़ सकता है, जबकि अन्य का मानना ??है कि इससे शेयरों पर रिटर्न में कमी आएगी और सोने की कीमतों में वृद्धि हो सकती है फेडरल रिजर्व की इस कटौती के बाद प्रमुख नीतिगत दर अब 4.75 से 5.0 प्रतिशत के दायरे में आ गई है, जबकि पहले यह 5.25 से 5.50 प्रतिशत के दायरे में थी, जो पिछले दो दशकों का उच्चतम स्तर था।

पीएचडीसीसीआई के अध्यक्ष संजीव अग्रवाल (Sanjeev Aggarwal) ने कहा कि फेड की दरों में कटौती से इक्विटी पर रिटर्न कम हो सकता है, जबकि सोने की कीमतों में तेजी की संभावना है। इसी तरह, कामा ज्वेलरी के प्रबंध निदेशक कोलिन शाह ने कहा कि ब्याज दरों में कटौती से सोने की कीमतों में वृद्धि की संभावना बढ़ जाती है, जो इस परिदृश्य को सकारात्मक रूप से देखे जाने का कारण बन सकता है।

विदेशी निवेश और भारतीय बाजार

बिज2क्रेडिट के सीईओ रोहित अरोड़ा का मानना है कि फेड की दर कटौती से भारतीय बाजारों में विदेशी निवेश और प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (FDI) का प्रवाह बढ़ेगा।

स्वत्वाधिकारी,मुद्रक,प्रकाशक एवं संपादक नागेश नरवरिया द्वारा जय माता प्रिंटर्स म.नं. 1 अमर दाल मिल के पास पेमदीपुरा चिकलोद रोड के पास बापू कालोनी जहांगीराबाद भोपाल मप्र से मुद्रित एवं म.नं. 51 एक्सटेंशन शिवलोक कॉलोनी फेस-3, खजूरी कलां रोड,तह. हुजूर जिला भोपाल से प्रकाशित। **संपादक :-** नागेश नरवरिया (समस्त विवादों का न्यायक्षेत्र भोपाल रहेगा।)